12120CH01

अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन

1

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप :

- *अलाभकारी संस्थाओं का अर्थ और विशेषताएँ समझ सकेंगे।*
- *अलाभकारी संस्थाओं से संबंधित लेखांकन अभिलेखों की प्रकृति और आवश्यकता को पहचान सकेंगे।*
- *अलाभकारी संस्थाओं द्वारा तैयार किए जाने वाले वित्तीय विवरणों के सिद्धांतों की सूची तैयार कर पाएँगे और उसकी प्रकृति की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *दी गई तिथि पर प्राप्ति एवं भुगतान खाते को तैयार कर सकेंगे।*
- *दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते और अतिरिक्त सूचनाओं से आय और व्यय खाता बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते के मध्य अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।*
- *प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा इससे संबंधित अन्य सूचनाओं से आय और व्यय खाता और तुलन-पत्र तैयार कर पाएँगे।*
- *आय और व्यय खाते की कुछ विशिष्ट मदों जैसे सदस्यों से चंदा, विशिष्ट निधि, वसीयत, पुरानी स्थायी परिसंपत्तियों का विक्रय आदि के व्यवहार की व्याख्या कर पाएँगे।*

कुछ संस्थाएँ ऐसी होती हैं जो अपने सदस्यों तथा समाज को *सेवाएँ* प्रदान करने के उद्देश्य से आरंभ की जाती हैं। इन संस्थाओं में धर्मार्थ संस्थान, विद्यालय, धार्मिक संस्थान, व्यापारिक संगठन, कल्याण समितियां और कला तथा संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित संस्थान इत्यादि शामिल हैं। इस संस्थानों का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा होता है न कि अन्य *व्यापारिक* संस्थानों की तरह *लाभ* कमाना। सामान्यत: इस प्रकार के संस्थान किसी प्रकार की व्यापारिक गतिविधि नहीं करते और इनका संचालन न्यासी द्वारा किया जाता है, जो कि पूर्ण रूप से अपने सदस्यों और समिति की उत्पन्न निधि का उपयोग, संस्था के उद्देश्य को पूरा करने के लिए करते हैं। इसलिए इन्हें प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में (सामान्यत: वित्तीय वर्ष के लिए) खाते और वित्तीय विवरण बनाने होते हैं जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र के रूप में हो सकते हैं।

यह एक कानूनी आवश्यकता भी है और उनके आय और व्यय खाते जो कि व्यापारिक संस्थानों द्वारा तैयार किए गए खातों से अलग प्रकृति के होते हैं, को बनाने में सहायक होते हैं।

1.1 अलाभकारी संस्थानों का अर्थ एवं विशेषताएँ

अलाभकारी संस्थाओं से आशय ऐसे संस्थानों से है जिनका प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है तथा जिनका निर्माण धार्मिक संस्थानों, जिनका उद्देश्य लाभ से प्रेरित नहीं होता के लिए किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को सेवाएँ प्रदान करना होता है। आमतौर पर यह किसी प्रकार का उत्पादन, क्रय या वस्तुओं का विक्रय और किसी प्रकार का उधार लेन-देन नहीं करती। इसलिए इन्हें लेखा पुस्तकों (जैसा कि व्यापार से संबंधित) और

© NCERT not to be republished

व्यापारिक और लाभ तथा हानि खाता बनाने की आवश्यकता नहीं होती। इन संस्थानों द्वारा बनाई गई निधि पूँजी निधि अथवा सामान्य निधि में जमा की जाती है। आमतौर पर इनकी आय का मुख्य स्रोत, इसके सदस्यों से प्राप्त अनुदान तथा दान, सहायता विनिवेश से प्राप्त आय इत्यादि हो सकता है। इस प्रकार के संस्थानों द्वारा बहियों को रखने का मुख्य उद्देश्य वैधानिक ज़रूरतों को पूरा करना तथा उनके निधि के प्रयोग पर नियंत्रण में सहायता प्रदान करना है। प्रत्येक लेखा वर्ष की समाप्ति पर (सामान्यत: वित्तीय वर्ष) यह वित्तीय विवरण तैयार करती हैं तथा अपनी वित्तीय स्थिति के लिए आय तथा व्यय विवरण तैयार करती हैं और उन्हें वैधानिक प्राधिकरण में जमा करवाती हैं जिसे समिति पंजीकृत कहा जाता है।

इस प्रकार की संस्थाओं की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. यह संस्थान किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को जैसे कि शिक्षण, व्यायामशाला, मनोरंजन, खेलकूद तथा इसी प्रकार की अन्य संस्थाओं को जाति, धर्म तथा रंग को ध्यान दिए बिना सेवाएँ प्रदान करना होता है। इसका मुख्य उद्देश्य सेवाओं को लागत के बिना या नाममात्र की लागत पर उपलब्ध कराना होता है न कि लाभ कमाना।
2. इनका निर्माण धर्मार्थ प्रन्यास/समाज की तरह होता है और इनमें अनुदान करने वाले इसके सदस्य कहलाते हैं।
3. इनके कार्यों का प्रबंध सामान्यत: प्रबंधक/शासन संबंधी कमेटी (समिति) तथा इसके चुने हुए सदस्यों द्वारा किया जाता है।
4. इन संस्थाओं की आय के मुख्य स्रोत हैं: (i) सदस्यों से अनुदान (ii) दान (iii) वसीयत (iv) अनुदान में सहायता (v) विनियोग से आय, इत्यादि।
5. इन संस्थाओं द्वारा विभिन्न स्रोतों द्वारा बनाई गई निधि को पूँजी निधि अथवा सामान्य निधि में जमा किया जाता है।
6. व्यय पर आय का आधिक्य, अधिशेष के रूप में इसके सदस्यों के मध्य वितरित नहीं किया जाता। इसको सरल रूप से पूँजी निधियों में जोड़ेंगे।
7. अव्यापारिक संस्थाओं की प्रसिद्धि को सामाजिक कल्याण में उनके अंशदान के कारण उत्पन्न किया जाता है, न कि उनके ग्राहकों या मालिक के संतोष के कारण।
8. इन संस्थाओं द्वारा उपलब्ध लेखों की सूचना से आशय इनकी वर्तमान और मज़बूत अंशदान से वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने से है।

1.2 अलाभकारी संस्थाओं के अभिलेखों का लेखांकन

जैसे कि पहले वर्णन किया जा चुका है कि इस प्रकार की संस्थाएँ किसी भी प्रकार के उत्पादन या व्यापारिक गतिविधि में शामिल नहीं होती है। इनकी आय का मुख्य स्रोत, इसके सदस्यों से प्राप्त अनुदान, दान, सरकारी सहायता और विनियोग से प्राप्त आय है। अधिकतर लेन-देन रोकड़ और बैंक के द्वारा किए जाते हैं। इसलिए सामान्यत: ये संस्थान एक रोकड़ पुस्तक रखते हैं जिसमें सभी प्राप्तियों और भुगतानों को प्रलेखित किया जाता है। यह एक लेखाबही भी प्रतिपादित करते हैं जिसमें सभी आय, व्यय, परिसंपत्तियों और दायित्वों का

अभिलेखन किया जाता है जो कि एक लेखा वर्ष की समाप्ति पर वित्तीय विवरण बनाने में सहायता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त सभी मूर्त परिसंपत्तियों तथा उपभोग करने लायक को प्रलेखित करने के लिए एक स्टॉक रजिस्टर का प्रयोग भी आवश्यक है।

ये संस्थाएँ कोई पूँजी खाता तैयार नहीं करती हैं। इसके बदले में यह पूँजी निधि, जिनको सामान्य निधि भी कहते हैं, जो कि अधिलाभ, आजीवन सदस्यता, शुल्क, दान, वसीयत, इत्यादि प्राप्तियों के रूप में साल दर सालों में हुई हैं, को बनाते हैं, अतः सदस्यों और अन्य दानकर्ताओं द्वारा प्राप्त निधि के गबन, दुरुपयोग की संभावना को कम करने या बचने के लिए उचित लेखांकन प्रणाली की आवश्यकता होती है।

अंतिम खाते तथा अंतिम विवरण: अलाभकारी संस्थानों को भी प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अंतिम विवरण बनाने की आवश्यकता होती है। हालांकि यह संस्थाएँ लाभ न अर्जित करने वाले संस्थान हैं और इन्हें व्यापारिक खाता या लाभ व हानि खाता बनाने की आवश्यकता नहीं होती परंतु यह जानना भी ज़रूरी है कि क्या वर्ष के दौरान किए जाने वाले व्ययों के लिए पर्याप्त आय है या नहीं। केवल इतना ही नहीं, इन्हें ज़रूरी अंतिम सूचनाएँ इसके सदस्यों, दानकर्ताओं और एकत्रितकर्ताओं तथा समिति के पंजीकर्ता को भी उपलब्ध करवानी होती हैं। इस उद्देश्य के लिए इन्हें प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में इनके अंतिम खाते तैयार करने होते हैं तथा लेखांकन के सामान्य सिद्धांत पूरी तरह से लागू होते हैं। अव्यापारिक संस्थाओं के अंतिम खातों में शामिल हैं:

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाता
2. आय और व्यय खाता, तथा
3. तुलन पत्र

प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ तथा बैंक के लेन-देन का एक सारांश है जो कि आय और व्यय खाता और तुलन पत्र को तैयार करने में सहायता प्रदान करता है। इसके साथ ही, यह कानूनी रूप से आवश्यक भी है क्योंकि प्राप्ति एवं भुगतान खाते को भी आय और व्यय खाते के साथ तथा तुलन पत्र के साथ समितियों के पंजीकर्ता के पास जमा करवाना होता है।

आय और व्यय खाता, लाभ तथा हानि खाते के समान ही होता है। अव्यापारिक संस्थाएँ सामान्यतः तुलन पत्र तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते की सहायता से आय और व्यय खाते को तैयार करती हैं। यद्यपि इससे यह आशय नहीं है कि वह तलपट को तैयार नहीं करतीं। लेखा बहियों की शुद्धता की जाँच के लिए वह तलपट को भी तैयार करती हैं, जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा साथ ही आय और व्यय खाता और तुलनपत्र को तैयार करने में सहायक होता है।

1.3 प्राप्ति एवं भुगतान खाता

यह एक लेखा वर्ष के अंत में रोकड़ प्राप्तियों तथा नकद भुगतानों को रोकड़ बही में प्रलेखन के आधार पर तैयार किया जाता है। सरल रूप से यह रोकड़ तथा बैंक लेनदेन के विभिन्न शीर्षकों का सारांश होता है। उदाहरण के लिए भिन्न-भिन्न तिथियों को सदस्यों से प्राप्त किया गया चंदा, जो कि रोकड़ पुस्तक में नाम

© NCERT not to be republished

पक्ष की ओर दर्शाया जाता है, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते में एक मद के रूप में इसकी कुल राशि से प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाएगा। इसी प्रकार वेतन, किराया, बिजली का बिल भुगतान के जो कि समय–समय पर किए जाते हैं, को रोकड़ बही में जमा पक्ष की ओर प्रलेखित किया जाता है परंतु कुल भुगतान वेतन, कुल भुगतान किराया तथा कुल भुगतान विद्युत प्रभार, जो एक वर्ष के दौरान भुगतान किए गए हैं, को प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष की ओर प्रकट किया जाएगा। इसलिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता विभिन्न प्राप्तियों एवं भुगतानों चाहे वह चालू अवधि से संबंधित हों या धुर्व अवधि या आगामी अवधि से संबंधित पूँजीगत या आयगत प्रकृति के हों, को सारांश के रूप में प्रस्तुत करता है। यह सूचित किया जा सकता है कि यह खाता कोई गैर–मद, जैसे ह्रास की राशि को नहीं दर्शाता है। प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्रारंभिक शेष, हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़ को प्रदर्शित करता है, जो कि इसके प्राप्ति पक्ष की ओर दर्शाया गया है तथा अंतिम शेष, वर्ष के अंत में हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंकस्थ रोकड़ के शेष को दर्शाता है जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते के जमा पक्ष की ओर दर्शायी गई हैं। यद्यपि, यह अंत में बैंक अधिविकर्ष है तो इसे अंतिम मद के रूप में इसके नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। अब हम उदाहरण में दी गई रोकड़ पुस्तक में देखते हैं कि किस प्रकार प्राप्ति एवं भुगतान खाते की प्रत्येक मद की कुल राशि को ज्ञात किया गया है।

दृष्टांत 1

रोकड़ पुस्तक

प्राप्ति *व्यय*

तिथि	*विवरण*	*रो. पृ. सं.*	*बैंक राशि (रु.)*	*रोकड़ राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो. पृ. सं.*	*बैंक राशि (रु.)*	*रोकड़ राशि (रु.)*
2014					*2014*				
01अप्रैल	शेष आ/ला		35,000	20,000	15अप्रैल	बीमा प्रीमियम		15,000	
10अप्रैल	चंदा		1,20,000		12मई	छपाई एवं लेखन सामग्री		10,750	
10अप्रैल	प्रवेश शुल्क		13,000		20मई	डाक तथा कोरियर शुल्क			430
20मई	आजीवन सदस्यता शुल्क		12,000		16जून	दूरभाष व्यय			810
12जून	लॉकर किराया			42,000	10जुलाई	मज़दूरी एवं वेतन			22,000
23जुलाई	आजीवन सदस्यता शुल्क		8,000		15जुलाई	दरें एवं कर		17,000	
20अगस्त	भवन के लिए दान		60,000		30जुलाई	सरकारी प्रतिभूतियाँ		1,00,000	
13सितंबर	चंदा (2013-14)		30,000		13अगस्त	छपाई एवं लेखन सामग्री		15,000	
13सितंबर	चंदा		45,000		15अगस्त	डाक एवं कोरियर सेवा			480
14सितंबर	प्रवेश शुल्क		10,000		10सितंबर	प्रकाश		12,250	
09नवंबर	चंदा		35,000		13सितंबर	दूरभाष व्यय			830

09नवंबर	चंदा (2015-16)		10,000		01अक्तूबर	मज़दूरी एवं वेतन		10,000	12,000
2015					18अक्तूबर	छपाई एवं लेखन सामग्री		13,000	
07फरवरी	चंदा		25,000		31अक्तूबर	सरकारी प्रतिभूतियाँ		1,00,000	
28 मार्च	सरकारी प्रतिभूतियों				31दिसंबर	मज़दूरी एवं वेतन		22,000	
	पर ब्याज		18,000		2015				
					21जनवरी	कोरियर प्रभाव			240
					02फरवरी	दूरभाष व्यय			960
					10 मार्च	डाक एवं कोरियर शुल्क			850
					27 मार्च	प्रकाश		14,000	
					27 मार्च	मज़दूरी एवं वेतन		22,000	
					31 मार्च	शेष आ/ला		70,000	23,400
			4,21,000	**62,000**				**4,21,000**	**62,000**

भाग अ

विभिन्न प्राप्तियों का मदों के अनुसार समूहन

अभिदान (2014-2015)

तिथि	*राशि (रु.)*
10 अप्रैल, 2014	1,20,000
13 सितंबर, 2014	45,000
9 नवंबर, 2014	35,000
7 फरवरी, 2015	25,000
कुल	**2,25,000**

चंदा (2013-2014)

तिथि	*राशि (रु.)*
13 सितंबर, 2014	30,000
कुल	**30,000**

चंदा (2015-2016)

तिथि	*राशि (रु.)*
9 नवंबर, 2014	10,000
कुल	**10,000**

© NCERT not to be republished

प्रवेश शुल्क

तिथि	*राशि (रु.)*
10 अप्रैल, 2014	13,000
14 सितंबर, 2014	10,000
कुल	**23,000**

लॉकर किराया

तिथि	*राशि (रु.)*
12 जून, 2014	42,000
कुल	**42,000**

आजीवन सदस्यता शुल्क

तिथि	*राशि (रु.)*
20 मई, 2014	12,000
23 जुलाई, 2014	8,000
कुल	**20,000**

भवन के लिए दान

तिथि	*राशि (रु.)*
20 अगस्त, 2014	60,000
कुल	**60,000**

सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज

तिथि	*राशि (रु.)*
28 मार्च, 2015	18,000
कुल	**18,000**

भाग ब

विभिन्न भुगतानों का मदों के अनुसार समूहन

बीमा प्रीमियम

तिथि	*राशि (रु.)*
15 अप्रैल, 2014	15,000
कुल	**15,000**

© NCERT not to be republished

छपाई एवं लेखन सामग्री

तिथि	*राशि (रु.)*
12 मई, 2014	10,750
13 अगस्त, 2014	15,000
18 अक्तूबर, 2014	13,000
कुल	**38,750**

प्रकाश

तिथि	*राशि (रु.)*
10 सितंबर, 2014	12,250
27 मार्च, 2015	14,000
कुल	**26,250**

दूरभाष–व्यय

तिथि	*राशि (रु.)*
16 जून, 2014	810
13 सितंबर, 2014	830
2 फरवरी, 2015	960
कुल	**2,600**

दरें एवं कर

तिथि	*राशि (रु.)*
15 जुलाई, 2014	17,000
कुल	**17,000**

सरकारी प्रतिभूतियाँ

तिथि	*राशि (रु.)*
30 जुलाई, 2014	1,00,000
31 अक्तूबर, 2014	1,00,000
कुल	**2,00,000**

© NCERT not to be republished

मजदूरी एवं वेतन

तिथि	*राशि (रु.)*
10 जुलाई, 2014	22,000
1 अक्तूबर, 2014	22,000
31 दिसंबर, 2014	22,000
30 मार्च, 2015	22,000
कुल	**88,000**

डाक एवं कोरियर सेवाएँ

तिथि	*राशि (रु.)*
20 मई, 2014	430
15 अगस्त, 2014	480
22 जनवरी, 2015	240
10 मार्च, 2015	850
कुल	**2,000**

उपरोक्त आँकड़ों को खाताबही में क्रमशः उनके खातों के रूप में भी दर्शाया जा सकता है। प्राप्ति एवं भुगतानों के मदों की एक सूची का विवरण निम्न है:

प्राप्तियाँ	*भुगतान*
1. अभिदान	1. स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद
(अ) सामान्य	2. खेल कूद उपकरण की खरीद
(ब) विशिष्ट उद्देश्य	3. प्रतिभूतियों का विनिवेश
2. प्रवेश शुल्क	4. छपाई एवं लेखन सामग्री
3. वसीयतें	5. डाक एवं कोरियर सेवाएँ
4. विनिवेश का विक्रय	6. विज्ञापन
5. स्थायी परिसंपत्तियों का विक्रय	7. मजदूरी एवं वेतन
6. सदस्यों से प्राप्त अभिदान	8. सम्मानार्थ पारितोषिक
7. आजीवन सदस्यता शुल्क	9. दूरभाष प्रभार
8. पुराने अखबारों का विक्रय	10. विद्युत एवं पानी प्रभार
9. पुराने खेल-कूद उपकरण का विक्रय	11. मरम्मत एवं नवीनीकरण
10. सावधि जमा पर ब्याज	12. खेल के मैदान का रखरखाव
11. विनिवेशों पर ब्याज/लाभांश	13. वाहन व्यय
12. धर्मार्थ कार्यक्रम से प्राप्ति	14. साप्ताहिकों के लिए अभिदान
13. रद्दी का विक्रय	15. अंकेक्षण शुल्क
14. सरकारी सहायता	16. मनोरंजन पर व्यय
15. विशिष्ट विनियोग निधि पर ब्याज/लाभांश	17. निगम कर
16. विविध प्राप्तियाँ	18. धर्मार्थ
	19. बीमा

© NCERT not to be republished

वर्ष – की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		शेष आ/ला (बैंक अधिविकर्ष)	xxx
हस्तस्थ रोकड़	xxx	मजदूरी एवं वेतन	xxx
बैंकस्थ रोकड़	xxx	किराया	xxx
अभिदान	xxx	दरें एवं कर	xxx
सामान्य दान	xxx	बीमा	xxx
पुराने साप्ताहिकी बेकार	xxx	छपाई एवं लेखन सामग्री	xxx
पेपर/अखबार विक्रय		डाक एवं कोरियर	xxx
पुराने खेल–कूद के सामान का विक्रय	xxx	विज्ञापन	xxx
सावधि जमा पर ब्याज	xxx	विविध व्यय	xxx
सामान्य विनियोग पर ब्याज/लाभांश	xxx	दूरभाष प्रभार	xxx
विनियोग	xxx	मनोरंजन व्यय	xxx
लॉकर किराया	xxx	अंकेक्षण शुल्क	xxx
रद्दी का विक्रय	xxx	पारितोषिक	xxx
धर्मार्थ कार्यक्रम से प्राप्तियाँ	xxx	मरम्मत एवं नवीनीकरण	xxx
विभिन्न प्राप्तियाँ	xxx	मैदान का रखरखाव	xxx
सरकारी सहायता	xxx	वाहन	xxx
वसीयतें	xxx	अखबार एवं साप्ताहिक रद्दी	xxx
विशिष्ट दान	xxx	संपत्तियों का क्रय	xxx
विनियोग का विक्रय	xxx	विनियोगों का क्रय	xxx
स्थायी परिसंपत्तियों का विक्रय	xxx	शेष आ/ले	xxx
आजीवन सदस्यता शुल्क	xxx	हस्तस्थ रोकड़	xxx
प्रवेश शुल्क	xxx	बैंकस्थ* रोकड़	xxx
विशिष्ट उद्देश्य हेतु निधिों से प्राप्तियाँ	xxx		
विशिष्ट निधिों से ब्याज	xxx		
विनियोग	xxx		
शेष आ/ला (बैंक अधिविकर्ष)*			
	xxx		**xxx**

* यहाँ दो में से कोई एक राशि आएगी, प्रत्येक बैंक से अथवा बैंक अधिविकर्ष से, दोनों नहीं।

चित्र 1.1: *प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

यह सूचित है कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्राप्ति पक्ष, आयगत प्राप्तियों की (भूतकाल, चालू तथा भविष्य की अवधि के लिए) तथा साथ ही पूँजीगत प्राप्तियों की एक सूची देता है। इसी प्रकार, भुगतान पक्ष आयगत भुगतान तथा साथ ही पूँजीगत भुगतानों की सूची प्रस्तुत करता है।

1.3.1 विशिष्ट लक्षण

1. यह रोकड़ पुस्तक का सारांश है। इसका प्रारूप सामान्य रोकड़ पुस्तक (बट्टा और बैंक स्तंभ के बिना) नाम और जमा पक्ष सहित, के समान है। प्राप्तियाँ नाम पक्ष में दर्ज की जाती हैं, जबकि भुगतान जमा पक्ष में दर्ज होते हैं।
2. यह प्राप्तियों और भुगतानों, जिस अवधि से वह संबंधित हैं, कि कुल राशि को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए हम 2014–2015 वर्ष के दौरान प्राप्त कुल चंदे की राशि जिसमें 2013–2014 तथा 2015–2016 के चंदे भी सम्मिलित हैं, को प्रलेखित करेंगे। इसी प्रकार वर्ष 2014–2015 के दौरान भुगतान किए गए कर यदि यह वर्ष 2013–2014 और 2015–2016 से संबंधित है तो भी इनका प्रलेखन 2014–2015 के खातों में किया जाएगा।
3. इसमें सभी प्राप्तियों एवं भुगतानों को सम्मिलित किया जाएगा चाहे वह आयगत प्रकृति के हों या फिर पूँजीगत प्रकृति के।
4. रोकड़ तथा बैंक से संबंधित प्राप्तियों/भुगतानों में कोई अंतर नहीं किया जाएगा। आरंभिक और अंतिम शेष को अपवाद माना जाएगा और कुल प्राप्तियों और भुगतान की कुल राशि को इस खाते में दर्शाया जाएगा।
5. किसी भी गैर रोकड़ मद जैसे ह्रास, बकाया व्यय तथा अर्जित आय इत्यादि को इस खाते में नहीं दर्शाया जाएगा।
6. इसका आरंभ, रोकड़ के आरंभिक शेष (हस्तस्थ) और बैंकस्थ (या बैंक अधिविकर्ष) से किया जाएगा और अंत वर्ष के अंत में रोकड़ शेष (हस्तस्थ) बैंकस्थ या बैंक अधिविकर्ष के साथ किया जाएगा। तथ्य यह है कि इस खाते का अंतिम शेष (प्राप्ति और भुगतान खाते के प्राप्ति और भुगतानों का अंतर) जो कि आमतौर पर नाम शेष होता है, रोकड़ हस्तस्थ और बैंकस्थ, यदि बैंक अधिविकर्ष न हो तो, को प्रकट करता है।

1.3.2 प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाने में निहित चरण

1. हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक का आरंभिक शेष लीजिए और इसे नाम पक्ष में प्रलेखित कीजिए। वर्ष के आरंभ में बैंक अधिविकर्ष की स्थिति होने पर, इसे इस खाते के जमा पक्ष में प्रलेखित करेंगे।
2. सभी प्राप्तियों की कुल राशि को नाम पक्ष में उनकी प्रकृति के अनुसार (चाहे पूँजीगत/आगम) और चाहे वह गत, चालू और आगामी अवधि से संबंधित हो, दर्शाया जाएगा।

3. सभी भुगतान की गई राशियों को जमा पक्ष में उनकी प्रकृति के अनुसार (चाहे पूँजीगत/आगम) और चाहे यह गत, चालू और आगामी अवधि से संबंधित हो, दर्शाया जाएगा।
4. अप्रर्याप्त आय और देय व्ययों को इस खाते में नहीं दर्शाया जाएगा, जैसे कि यह रोकड़ के अन्तर्गमन और बाह्यगमन से संबंधित नहीं हैं।
5. इस खाते के नाम पक्ष और जमा पक्ष के बीच अंतर ज्ञात करें और इसे जमा पक्ष में रोकड़/बैंक के अंतिम शेष के रूप में प्रलेखित करें। यद्यपि जमा पक्ष का योग, नाम पक्ष के योग से ज़्यादा है तो अंतर को बैंक अधिविकर्ष के रूप में नाम करेंगे और खाते को बंद करेंगे।

पृष्ठ संख्या 4 पर दिए गए दृष्टांत 1 में दी गई रोकड़ पुस्तक से लिए गए आँकड़ों की सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए गोल्डन क्रिकेट क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता इस प्रकार तैयार किया जाएगा।

रोकड़ पुस्तक का सारांश

विवरण		*राशि* (रु.)
01 अप्रैल, 2014 को हस्तस्थ रोकड़		20,000
01 अप्रैल, 2014 को बैंकस्थ रोकड़		35,000
चंदा:	रु.	
2013-14	30,000	
2014-15	2,25,000	
2015-16	10,000	2,65,000
भवन के लिए दान		60,000
प्रवेश शुल्क		23,000
आजीवन सदस्यता शुल्क		20,000
छपाई एवं लेखन सामग्री		38,750
प्रकाश		26,250
दरें एवं कर		17,000
दूरभाष प्रभार		2,600
डाक एवं कोरियर		2,000
मजदूरी एवं वेतन		88,000
बीमा प्रीमियम		15,000
सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज		18,000
लॉकर किराया		42,000
सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय		2,00,000
31 मार्च, 2015 को हस्तस्थ रोकड़		23,400
31 मार्च, 2015 को बैंकस्थ रोकड़		70,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2015 वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
01 अप्रैल, 2014 को हस्तस्थ रोकड़		20,000	छपाई एवं लेखन सामग्री	38,750
01 अप्रैल, 2014 को बैंकस्थ रोकड़		35,000	प्रकाश	26,250
चंदा :			दरें एवं कर	17,000
2013-14	30,000		दूरभाष प्रभार	2,600
2014-15	2,25,000		डाक एवं कोरियर	2,000
2015-16	10,000	2,65,000	मजदूरी एवं वेतन	88,000
भवन के लिए दान		60,000	बीमा प्रीमियम	15,000
प्रवेश शुल्क		23,000	सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय	2,00,000
आजीवन सदस्यता शुल्क		20,000	31 मार्च, 2015 को हस्तस्थ रोकड़	23,400
सरकारी प्रतिभूतियों के निवेश पर ब्याज		18,000	31 मार्च, 2015 को बैंकस्थ रोकड़	70,000
लॉकर किराया		42,000		
		4,83,000		**4,83,000**

उदाहरण 1

सिल्वर प्वाइंट से संबंधित दिए गए विवरणों से 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए।

प्राप्तियाँ		राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
आरंभिक रोकड़ शेष		1,000	पुराने खेल-कूद के सामान का विक्रय	1,200
आरंभिक बैंक शेष		7,200	पैवेलियन के लिए दान प्राप्ति	4,600
चंदा एकत्रित:	रु.		किराया भुगतान	3,000
2010-11	500		खेल-कूद के सामान का क्रय	4,800
2011-12	7,600		जलपान का क्रय	600
2012-13	900	9,000	टेनिस कोर्ट के रखरखाव पर खर्च	2,000
जलपान का विक्रय		1,000	वेतन भुगतान	2,500
प्रवेश शुल्क प्राप्तियाँ		1,000	प्रतियोगिता व्यय	2,400
			फ़र्नीचर क्रय	1,500
			कार्यालय व्यय	1,200
			अंतिम हस्तस्थ रोकड़	400

© NCERT not to be republished

हल

सिल्वर प्वाइंट की पस्तकें
प्राप्ति एवं भुगतान खाता
31 मार्च, 2012 वर्ष की समाप्ति पर

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
			जलपान का क्रय	600
शेष आ/ला			किराया	3,000
हस्तस्थ रोकड़		1,000	खेलकूद के सामान का क्रय	4,800
बैंकस्थ रोकड़		7,200	टेनिस कोर्ट के रखरखाव पर व्यय	2,000
चंदा:			वेतन	2,500
2010-11	500		प्रतियोगिता व्यय	2,400
2011-12	7600		फ़र्नीचर क्रय	1,500
2012-13	900	9,000	कार्यालय व्यय	1,200
जलपान का विक्रय		1,000	शेष आ/ले	
प्रवेश शुल्क		1,000	हस्तस्थ रोकड़	400
पुराने खेल-कूद के सामान का विक्रय		1,200	बैंकस्थ रोकड़	6,600
पवेलियन के लिए दान		4,600		
		25,000		**25,000**

1.4 आय और व्यय खाता

यह एक लेखा वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का सारांश होता है। यह एक व्यापारिक संस्थान द्वारा उपार्जन आधार पर तैयार किए गए लाभ और हानि खाते की तरह ही होता है। इस खाते में केवल आयगत प्रकृति की मदों को शामिल किया जाता है तथा वर्ष के अंत में शेष आधिक्य तथा कमी को दर्शाता है। आय तथा व्यय खाते का उद्देश्य एक व्यापारिक संस्थान के लिए लाभ व हानि खाते की तरह ही होता है। चालू अवधि से संबंधित सभी आयगत मदें इस खाते में दर्शाई जाती हैं। सभी व्यय तथा हानियों को व्यय पक्ष में तथा सभी आय तथा लाभों को आय पक्ष में दर्शाया जाता है। यह निवल प्रचालन परिणाम, अधिशेष के रूप में (आय का व्यय पर आधिक्य) तथा छपाई (व्यय पर आय का आधिक्य) के रूप में दर्शाता है। जो कि तुलन पत्र में दर्शाये गए पूँजी निधि में हस्तांतरित किया जाता है।

आय और व्यय खाते को दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा बकाया तथा अग्रिम से संबंधित अतिरिक्त सूचनाएँ, ह्रास इत्यादि की सहायता से उपार्जन क्षमता के आधार पर तैयार किया जाता है इसलिए अनेक मदें जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दर्शायी जाती हैं, को समायोजित करने की आवश्यकता पड़ती है। उदाहरण के लिए : (पृ. सं. 11) के अनुसार वर्ष 2014-2015 के दौरान प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति पक्ष की

ओर दर्शायी गई 2,65,000 रु. की राशि में चालू अवधि के अलावा अन्य अवधि से संबंधित प्राप्तियाँ भी सम्मिलित हैं। लेकिन चालू वर्ष से संबंधित 2,25,000 रु. चन्दे की राशि को केवल वर्ष 2014–2015 से संबंधित आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शाया जाएगा।

1.4.1 आय और व्यय खाता बनाने में निहित चरण

दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाने में निम्न चरण सहायता प्रदान करेंगे:

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाते को ध्यान से देखें।
2. आरंभिक तथा अंतिम शेष, रोकड़ तथा बैंकस्थ को अलग करें क्योंकि यह आय नहीं है।
3. पूँजीगत प्राप्तियों और पूँजीगत भुगतानों को अलग करें क्योंकि इन्हें तुलन पत्र में दर्शाया जाएगा।
4. आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शायी गई आगम प्राप्तियों की ओर ध्यान दें। इनमें से कुछ का समायोजन गतवर्ष और आगामी अवधि से संबंधित राशि को अलग करके तथा चालू वर्ष में अप्राप्य राशियों को सम्मिलित करके किया जाएगा।
5. आगम व्ययों को आय व्यय खाते के आय पक्ष में, अग्रिम प्राप्तियों से तथा अभी तक प्राप्त न हुई हो से संबंधित दी हुई सूचनाओं को समायोजित करके दर्शाएँ।
6. निम्न मदों पर ध्यान दें जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं दर्शायी गई हैं। जो कि आधिक्य एवं घाटा (चालू वर्ष का) निर्धारण करने में ज़रूरी है।
   (अ) स्थायी परिसंपत्तियों पर ह्रास
   (ब) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान; यदि आवश्यक हो
   (स) स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ या हानि।

अब आप यह जान सकते हैं कि पृष्ठ संख्या 11 पर दिए गए विवरणों में किस प्रकार दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता तैयार किया गया है।

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
छपाई और लेखन सामग्री	38,750	चंदा	2,25,000
प्रकाश	26,250	प्रवेश शुल्क	23,000
दरें और कर	17,000		
दूरभाष व्यय	2,600	सरकारी प्रतिभूतियों के विनियोग पर ब्याज	18,000
डाक और कोरियर प्रभार	2,000		
मज़दूरी और वेतन	88,000	लॉकर का किराया	42,000
बीमा प्रीमियम	15,000		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	1,18,400		
	3,08,000		**3,08,000**

टिप्पणी:

1. आरंभिक तथा अंतिम रोकड़/बैंक शेष अलग किया जाएगा।
2. सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय पर भुगतान, पूँजीगत भुगतान होने के कारण अलग किया जाएगा।
3. वर्ष 2013-2014 तथा 2015-2016 में प्राप्त चंदे की राशि को अलग किया जाएगा।
4. आजीवन सदस्यता शुल्क एक पूँजीगत प्राप्ति की मद है। अत: इसे अलग किया जाएगा।
5. भवन के लिए दान एक विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्ति है। अत: इसे अलग किया जाएगा।

उदाहरण 2

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, नीचे दिए गए क्लीन दिल्ली क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	*राशि* (रु.)	*भुगतान*		*राशि* (रु.)
शेष आ/ला (हस्तस्थ रोकड़)	3,200	वेतन		1,500
चंदा	22,500	किराया		800
प्रवेश शुल्क	1,250	बिजली		3,500
दान	2,500	कर		1,700
हॉल का किराया	750	छपाई और लेखन सामग्री		380
विनियोग का विक्रय	3,000	विविध व्यय		920
		पुस्तकों का क्रय		7,500
		सरकारी बॉण्डस का क्रय		10,000
		बैंक में स्थायी जमा (31.03.2018 को)		5,000
		शेष आ/ला		
		हस्तस्थ रोकड़	400	
		बैंक में रोकड़	1,500	1,900
	33,200			**33,200**

हल

क्लीन दिल्ली क्लब की पुस्तकें

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
वेतन	1,500	चंदा	22,500
किराया	800	प्रवेश शुल्क	1,250
बिजली	3,500	अनुदान	2,500
कर	1,700	हॉल का किराया	750
छपाई और लेखन सामग्री	380		
विविध व्यय	920		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	18,200		
	27,000		**27,000**

उदाहरण 3

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए नीचे दिए गए नेगी क्लब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से, समान अवधि के लिए आय और व्यय खाता तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

व्यय		*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ले (बैंक)		25,000	फ़र्नीचर का क्रय (1.07.2017)	5,000
चंदा:			वेतन	2,000
2016-17	1,500		दूरभाष व्यय	300
2017-18	10,000		बिजली प्रभार	600
2018-19	500	12,000	डाक और लेखन सामग्री	150
दान		2,000	पुस्तकों का क्रय	2,500
हॉल का किराया		300	मनोरंजन व्यय	900
बैंक जमा पर ब्याज		450	5% सरकारी प्रतिभूति का क्रय (1.07.2017)	8,000
प्रवेश शुल्क		1,000	विविध व्यय	600
			शेष आ/ले	300
			बैंक रोकड़	20,400
		40,750		**40,750**

निम्न अतिरिक्त सूचनाएँ उपलब्ध हैं:

(i) बकाया वेतन 1,500 रु.;

(ii) बकाया मनोरंजन व्यय 500 रु.;

(iii) अप्राप्य बैंक ब्याज 150 रु.;

(iv) अर्जित चंदा 400 रु.;

(v) 50% प्रवेश शुल्क को पूँजीकृत करेंगे;

(vi) फ़र्नीचर पर 10% वार्षिक दर से ह्रास लगाएँ।

हल

नेगी क्लब की पुस्तकें
31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय		*राशि (रु.)*	*आय*		*राशि (रु.)*
वेतन	2,000		चंदा		10,400
जोड़ा: बकाया	1,500	3,500	दान		2,000
दूरभाष व्यय		300	प्रवेश शुल्क (1,000 रु. का 50%)		500
बिजली प्रभार		600	बैंक ब्याज	450	
डाक और लेखन सामग्री		150	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	150	600
मनोरंजन व्यय	900		विनियोग पर ब्याज		200
जोड़ा: बकाया व्यय	500	1,400	हॉल का किराया		300
विविध व्यय		600			
फ़र्नीचर पर ह्रास		375			
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)		7,075			
		14,000			**14,000**

1.4.2 आय और व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाते के बीच अंतर

प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा आय और व्यय खाते के संबंध में चर्चा करने के पश्चात हम आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते के बीच तालिका के रूप में अंतर करेंगे:

© NCERT not to be republished

अंतर का आधार	आय और व्यय खाता	प्राप्ति एवं भुगतान खाता
प्रकृति	यह लाभ व हानि खाते के समान होता है	यह रोकड़ पुस्तक का सारांश है
मदों की प्रकृति	यह केवल आगम प्रकृति के आय और व्यय का अभिलेखन करता है।	यह आगम और पूँजी की प्राप्तियों और भुगतानों का अभिलेखन करता है।
अवधि	केवल चालू अवधि से संबंधित आय और व्यय की मदें।	गत और आगामी अवधि से भी संबंधित प्राप्तियाँ एवं भुगतान।
नाम पक्ष	इस खाते के नाम पक्ष में व्ययों और हानियों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के नाम पक्ष में प्राप्तियों का अभिलेखन किया जाता है।
जमा पक्ष	इस खाते के जमा पक्ष में आय और अभिलाभों का अभिलेखन किया जाता है।	इस खाते के जमा पक्ष में भुगतानों का अभिलेखन किया जाता है।
ह्रास	इसमें ह्रास सम्मिलित किया जाता है।	इसमें ह्रास सम्मिलित नहीं किया जाता।
आरंभिक शेष	इसका आरंभिक शेष नहीं होता।	आरंभिक शेष हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़ या आरंभिक अधिविकर्ष को दर्शाता है।
अंतिम शेष	अंतिम शेष आय का व्यय पर आधिक्य या इसके विपरित स्थिति को दर्शाता है	अंतिम शेष अंत में हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक शेष (या बैंक अधिविकर्ष) को दर्शाता है।

1.5 तुलन पत्र

अलाभकारी संस्थाएँ भी अपनी वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने के लिए तुलन पत्र तैयार करती है। उनका तुलन पत्र भी व्यापारिक फर्मों के समान तैयार किया जाता है। यह वर्ष के अंत में परिसंपत्तियों और दायित्वों को दर्शाता है। परिसंपत्तियों को दाएँ पक्ष में तथा दायित्वों को बाएँ पक्ष में दर्शाया जाता है। यद्यपि यहाँ पूँजी के स्थान पर सामान्य निधि/पूँजी निधि होंगे और आय और व्यय खाते में आधिक्य या घाटे को इन निधियों में जोड़ा या घटाया जाएगा। यह एक सामान्य प्रक्रिया है कि कुछ पूँजीगत मदों जैसे – वसीयत, प्रवेश शुल्क और आजीवन सदस्यता शुल्क को प्रत्यक्ष रूप से पूँजी खाते में जोड़ा जाएगा। साथ ही साथ पूँजी या सामान्य निधि, विशिष्ट उद्देश्य पूर्ति हेतु निधि और सहयोगकर्ता/ दानी जैसे कि भवन निधि, खेल निधि, इत्यादि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाए जाते हैं। इन निधियों को तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में पृथक रूप से दर्शाया जाता है। कभी-कभी पूँजी/ सामान्य निधियों का आरंभिक शेष ज्ञात करने के लिए वर्ष के आरंभ में तुलन पत्र को बनाना आवश्यक हो जाता है।

© NCERT not to be republished

1.5.1 तुलन पत्र को तैयार करना

तुलन पत्र को बनाने में निम्न प्रक्रिया को अपनाया जाएगाः

1. आरंभिक तुलन पत्र के अनुसार पूँजी/ सामान्य निधि को लीजिए और आय और व्यय खाते से प्राप्त आधिक्य को जोड़ें, इसके पश्चात प्रवेश शुल्क, वसीयत, आजीवन सदस्यता शुल्क इत्यादि जो कि वर्ष के दौरान प्राप्त हुई हैं, को जोड़िए।
2. सभी स्थायी परिसंपत्तियों (विक्रय नहीं/ समाप्त की गई/ विनाश हुई) को तथा वर्ष के दौरान खरीदी गई परिसंपत्तियों को जोड़ने (प्राप्ति एवं भुगतान खाते से प्राप्त हुई) के पश्चात ह्रास (आय और व्यय खाते के अनुसार) को घटाकर, उन्हें परिसंपत्ति पक्ष में दर्शाया जाएगा।
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष की मदों की तुलना आय और व्यय खाते के आय पक्ष की मदों से कीजिए। यह राशि का निर्धारण करेगाः
   (अ) प्राप्य चंदा किंतु प्राप्त नहीं।
   (ब) अग्रिम प्राप्त आय।
   (स) वर्ष के दौरान की गई स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री।
   (द) पूँजीकृत की जाने वाली मदें (जैसा कि तुलन पत्र से प्रत्यक्ष रूप से ली गई) उदाहरण के लिए वसीयत, विशिष्ट निधियों के विनियोग पर ब्याज।
4. इसी प्रकार प्राप्ति एवं भुगतान खाते के भुगतान पक्ष के मदों की तुलना आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष की मदों से करेंगे। यह राशि का निर्धारण करता है, यदिः
   (अ) बकाया व्यय।
   (ब) अग्रिम भुगतान व्यय।
   (स) वर्ष के दौरान खरीदी गई स्थायी परिसंपत्तियाँ।
   (द) स्थायी परिसंपत्तियों पर ह्रास।
   (ह) उपभोग योग्य मदों जैसे कि हस्तस्थ लेखन सामग्री का स्टॉक
   (फ) हस्तस्थ रोकड़ और बैंक में रोकड़ का अंतिम शेष।

   तुलन पत्र बनाने की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से जानने के लिए तुलन पत्र प्रारूप नीचे दिया गया है।

.... को तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पूँजी निधि: आरंभिक शेष *जोड़ा:* आधिक्य या *घटाया :* घाटा	 	हस्तस्थ रोकड़/बैंकस्थ रोकड़ *अप्राप्त आय* *अग्रिम भुगतान व्यय*	....

जोड़ा: चालू वर्ष में आय का पूँजीकरण खातों से :	......	*अंतिम शेष*	......
वसीयत	......	*उपभोग्य मदों का स्टॉक:*	
प्रवेश शुल्क	......	पिछला शेष	
आजीवन सदस्यता शुल्क	......	*जोड़ा:* चालू अवधि में क्रय	
अंतिम शेष	......	*घटाया:* अवधि के दौरान उपभोग का मूल्य	......
विशेष निधि/ दान		*अंतिम शेष*	......
पिछला शेष (यदि कोई हो)		*पिछला शेष*	......
जोड़ा: अवधि के दौरान मदों के लिए प्राप्तियाँ	......	*जोड़ा:* चालू अवधि में क्रय	......
जोड़ा: निधियों पर अर्जित आय/अनुदान विनियोग		*घटाया:* पुस्तक मूल्य पर परिसंपत्ति का विक्रय (......)	
निवल शेष	......		
क्रय के लिए *लेनदार*	......		
और/या पूर्ति			
बैंक अधिविकर्ष	......		
बकाया व्यय:	......		
अग्रिम प्राप्त आय	......		
	......		**......**

चित्र 1.2 : *तुलन पत्र का प्रारूप*

उदाहरण 4

एक्सीलेंट क्रिकेट कल्ब के प्राप्ति एवं भुगतान खाते निम्न और अतिरिक्त सूचनाओं से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि का तुलन पत्र तैयार करें:

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला (हस्तस्थ रोकड़)	18,000	शेष आ/ला (बैंक अधिविकर्ष)	16,000
सदस्यों से चंदा	2,50,000	फील्ड और पवेलियन की देखभाल	1,15,000
सदस्यों से प्रवेश शुल्क	15,000	टूर्नामेंन्ट व्यय	40,000
पुराने खेल के सामान की बिक्री	2,500	दरें और बीमा	10,000
मैदान का किराया	28,000	दूरभाष	3,500
टूर्नामेंट के लिए चंदा	60,000	डाक और कोरियर व्यय	4,000
आजीवन सदस्यता शुल्क	20,000	छपाई और लेखन सामग्री	26,000
अनुदान	6,00,000	विविध व्यय	4,400

		सचिव को सम्मानार्थ पारिश्रमिक	30,000
		घास के बीज	2,600
		विनियोग	6,00,000
		खेल के सामान का क्रय	68,000
		शेष आ/ले	74,000
	9,93,500		**9,93,500**

वर्ष के आरंभ में परिसंपत्तियाँ इस प्रकार हैं:

	(रु.)
खेल का मैदान	5,00,000
हस्तस्थ रोकड़	18,000
खेल के सामान का स्टॉक	85,000
छपाई और लेखन सामग्री	11,000
अप्राप्य चंदा	28,000

टूर्नामेंट खाते में आधिक्य और दान को स्थायी पवेलियन के लिए संचय का निर्माण करेंगे। 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा 42,000 रु. है। 50% खेल के सामान का और 30% छपाई और लेखन सामग्री को अपलिखित करें।

हल

एक्सीलेंट क्रिकेट क्लब की पुस्तकें
31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
फील्ड और पवेलियन का रखरखाव	1,15,000	चंदा 2,50,000	
दरें और बीमा	10,000	*जोड़ा:* अप्राप्त (अंतिम) 42,000	
दूरभाष	3,500	2,92,000	
डाक और कोरियर व्यय	4,000	*घटाया:* अप्राप्त (आरंभिक) (28,000)	2,64,000
छपाई और लेखन सामग्री 26,000		प्रवेश शुल्क	15,000
जोड़ा: आरंभिक स्टॉक 11,000		पुराने खेल सामान का विक्रय	2,500
उपयोग के लिए उपलब्ध 37,000			
घटाया: अंतिम स्टॉक (25,900)	11,100	हॉल का किराया	28,000
उपभोग की गई स्टेशनरी	4,400		
विविध व्यय	30,000		
सचिव को सम्मानार्थ पारिश्रमिक	2,600		

घास के बीज			
खेल के सामान का उपयोग:			
आरंभिक स्टॉक 85,000			
जोड़ा: क्रय 68,000			
1,53,000			
घटाया: अंतिम स्टॉक (76,500)	76,500		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	52,400		
	3,09,500		**3,09,500**

टिप्पणी: जब आरंभिक शेष नहीं दिया गया हो तो, उसका निर्धारण करने के लिए आरंभिक तुलन पत्र इस प्रकार तैयार करेंगे:

एक्सीलेंट क्रिकेट क्लब

31 मार्च, 2018 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पूँजी निधि	6,26,000		हस्तस्थ रोकड़	74,000
जोड़ा: आधिक्य	52,400		अप्राप्त चंदा	42,000
	6,78,400		खेल के सामान का स्टॉक	76,500
जोड़ा: आजीवन सदस्यता शुल्क	20,000	6,98,400	छपाई और लेखन सामग्री का स्टॉक	25,900
पवेलियन निधि			विनियोग	6,00,000
टूर्नामेंट से आधिक्य (60,000–40,000 रु.)	20,000		खेल का मैदान	5,00,000
अनुदान	6,00,000	6,20,000		
		13,18,400		**13,18,400**

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
बैंक अधिविकर्ष	16,000	हस्तस्थ रोकड़	18,000
पूँजी/सामान्य निधि (शेष राशि)	6,26,000	अप्राप्त चंदा	28,000
		खेल के सामान का स्टॉक	85,000
		छपाई और लेखन सामग्री का स्टॉक	11,000
		खेल का मैदान	5,00,000
	6,42,000		**6,42,000**

स्वयं जाँचिए 1

कारण सहित बताइए कि निम्न कथन सत्य या असत्य है:

(i) प्राप्ति और भुगतान खाता सभी पूँजीगत प्राप्तियों और भुगतानों का सारांश है।

(ii) यदि यहाँ खेल निधि दर्शाया गया है तो खेल गतिविधियों पर किए गए व्ययों को आय और व्यय खाते के नाम पक्ष में दर्शाया जाएगा।

(iii) आय और व्यय खाते का जमा शेष बतलाता है कि व्यय आय से अधिक है।

(iv) सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई निधि में से विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृति को आय और व्यय खाते में नाम करेंगे।

(v) प्राप्ति और भुगतान खाता, केवल आगम प्रकृति की प्राप्तियों और भुगतानों का अभिलेखन करता है।

(vi) विशेष उद्देश्य के लिए दान का हमेशा पूँजीकरण करेंगे।

(vii) जब पूँजी निधि का आरंभिक शेष नहीं दिया होता तब आरंभिक तुलन पत्र तैयार किया जाता है।

(viii) आय और व्यय खाते के आधिक्य को पूँजी/ सामान्य निधि में से घटाया जाता है।

(ix) प्राप्ति और भुगतान खाता, लाभ और हानि खाते के समान है।

(x) प्राप्ति और भुगतान खाता, पूँजी और आगम प्राप्तियों के मध्य अंतर नहीं करता है।

1.6 कुछ विशिष्ट मदें

अलाभकारी संस्थाओं के अंतिम खाते, व्यापारिक संगठन के समान प्रणाली की तरह तैयार किए जाते हैं परंतु, इस प्रकार की संस्थाओं में आय और व्यय की कुछ मदों की प्रकृति में अंतर होता है और अंतिम खातों में व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन संस्थाओं में ये विशिष्ट हैं। कुछ साधारण विशिष्ट मदों को नीचे वर्णित किया गया है:

चंदा: चंदा सदस्यता शुल्क है जिसका भुगतान सदस्य द्वारा वार्षिक आधार पर किया जाता है। यह इस प्रकार की संस्थाओं में आय का मुख्य स्रोत है। सदस्यों द्वारा भुगतान किया गया चंदा, प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति के रूप में और आय और व्यय खाते में आय के रूप में दर्शाया जाता है। यह ध्यान रहे कि प्राप्ति और भुगतान खाता वर्ष के दौरान वास्तव में प्राप्त चंदे की कुल राशि को दर्शाता है जबकि आय और व्यय खातों में दर्शायी गई राशि केवल चालू अवधि से संबंधित राशि को सीमाबद्ध करती है चाहे यह प्राप्त हुई है या नहीं।

उदाहरण के लिए, एक क्लब ने वर्ष 2017-18 के दौरान 20,000 रु. चंदे के रूप में प्राप्त किए, इसमें से 3,000 रु. वर्ष 2016-17 से और 2,000 रु. 2018-19 से संबंधित है और वर्ष 2017-18 के 6,000 रु. अभी तक अप्राप्त हैं। इस स्थिति में प्राप्ति एवं भुगतान खाता चंदे से प्राप्त 20,000 रु. दर्शाएगा। लेकिन आय और व्यय खाता, वर्ष 2017-18 के लिए चंदे से प्राप्त आय के रूप में 21,000 रु. दर्शाएगा। इसकी गणना नीचे दी गई है:

© NCERT not to be republished

	(रु.)
2017-2018 को प्राप्त चंदा	20,000
घटाया: 2016-2017 वर्ष के लिए चंदा	(3,000)
	17,000
घटाया: वर्ष 2018-2019 के लिए चंदा	(2,000)
	15,000
जोड़ा: वर्ष 2017-2018 के लिए अप्राप्त चंदा	6,000
वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे की आय	**21,000**

आय के रूप में दर्शायी गई चंदे की उपर्युक्त राशि का निर्धारण चंदा खाता तैयार करके इस प्रकार किया जाएगा:

चंदा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
	शेष आ/ला (वर्ष के आरंभ में अप्राप्त)		3,000		शेष आ/ला (पिछले वर्ष में अग्रिम प्राप्त)		–
	आय और व्यय खाता (शेष राशि)		21,000		रोकड़ (प्राप्त चंदा)		20,000
	शेष आ/ले (अग्रिम प्राप्त)		2,000		शेष आ/ले (वर्ष के अंत में अप्राप्त)		6,000
			26,000				**26,000**

उदाहरण 5

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, प्राप्ति भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा 2,50,000 रु. है। अतिरिक्त सूचनाएँ इस प्रकार हैं:

1. 01 अप्रैल, 2017 को अप्राप्त चंदा 50,000 रु.
2. 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा 35,000 रु.
3. 01 अप्रैल, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा 25,000 रु.
4. 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा 30,000 रु.

वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे से आय की राशि का निर्धारण करें और आरंभिक और अंतिम तुलन पत्र में चंदे से संबंधित मदों को किस प्रकार दर्शाया जाएगा, दिखाइए।

© NCERT not to be republished

हल

विवरण	*राशि (रु.)*
प्राप्ति और भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा	2,50,000
जोड़ा: 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा	35,000
जोड़ा: 01 अप्रैल, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा	25,000
	3,10,000
घटाया: 01 अप्रैल, 2017 को अप्राप्त चंदा	(50,000)
	2,60,000
घटाया: 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा	(30,000)
वर्ष 2017-2018 के लिए चंदे से आय	**2,30,000**

विकल्प के रूप में, चंदे से प्राप्त आय की गणना चंदा खाता तैयार करके निम्न होगी:

चंदा खाता

नाम *जमा*

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला (अप्राप्त)	50,000	शेष आ/ला (अग्रिम)	25,000
आय और व्यय खाता (शेष राशि)	2,30,000	प्राप्ति भुगतान खाता	2,50,000
शेष आ/ले (अग्रिम)	30,000	शेष आ/ला (अप्राप्त)	35,000
	3,10,000		**3,10,000**

चंदे से संबंधित मदों को आरंभिक और अंतिम तुलन पत्र में निम्न प्रकार दर्शाएँगे:

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (संबंधित मदें)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
अग्रिम प्राप्त चंदा	25,000	अप्राप्त चंदा	50,000

केवल संबंधित आँकड़े

मार्च 31, 2018 को तुलन पत्र (संबंधित आँकड़े)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
अग्रिम प्राप्त चंदा	30,000	अप्राप्त चंदा	35,000

केवल संबंधित आँकड़े

© NCERT not to be republished

उदाहरण 6

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से ली गई सूचनाएँ नीचे दी गई हैं:

चंदा	*(रु.)*
प्राप्ति	
2015-16	2,500
2016-17	26,750
2017-18	1,000
	30,250
अतिरिक्त सूचनाएँ	
सदस्यों की कुल संख्या	230
वार्षिक सदस्यता शूल्क	125
01 अप्रैल, 2015 को अप्राप्त चंदा	2,750

आय, अग्रिम, अप्राप्त चंदे से संबंधित मदों को दर्शाते हुए विवरण तैयार करें।

हल

वर्ष 2015-16 में प्राप्त होने वाले चंदे की राशि रोकड़ से संबंधित 28,750 रु. (अर्थात 125×230 रु.)

विवरण	*राशि (रु.)*
प्राप्ति और भुगतान खाते के अनुसार प्राप्त चंदा	30,250
जोड़ा: 31 मार्च 2016 को अप्राप्त चंदा	2,250
जोड़ा: 1 अप्रैल 2015 को प्राप्त अग्रिम चंदा	–
	32,500
घटाया: 01 अप्रैल 2015 को अप्राप्त चंदा	2,750
	29,750
घटाया: 31 मार्च, 2016 को अग्रिम प्राप्त चंदा	1,000
वर्ष 2015-16 के लिए चंदे से आय (125 ×230)	**28,750**

टिप्पणी: 01 अप्रैल, 2015 को अप्राप्त चंदे की राशि का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा:

विवरण	*(रु.)*	*(रु.)*
(i) 01 अप्रैल, 2015 को अप्राप्त	2,750	
2014-15 के लिए प्राप्त	2,500	250
(ii) 2015-16 के लिए प्राप्य (125 ×230)	28,750	
2016-17 के लिए प्राप्त	26,750	2,000
31 मार्च, 2016 को अप्राप्त		**2,250**

उदाहरण 7

प्राप्ति एवं भुगतान खाते के लिए दिए गए अंशों से, और नीचे दी गई अतिरिक्त सूचनाओं द्वारा, चंदे से आय की राशि की गणना करें तथा यह दर्शायें की 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में किस प्रकार दर्शाया जाएगा और इस तिथि का तुलन पत्र बनाइए।

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्ति		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
चंदा:				
2013–14	7,000			
2014–15	30,000			
2015–16	5,000	**42,000**		

अतिरिक्त सूचनाएँ:

	(रु.)
1. 31 मार्च, 2014 को अप्राप्त चंदा	8,500
2. 31 मार्च, 2015 को कुल अप्राप्त चंदा	18,500
3. 31 मार्च, 2014 को अग्रिम प्राप्त चंदा	4,000

हल

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए
आय और व्यय खाता

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
		चंदा 2014–15 के लिए प्राप्त	30,000
		जोड़ा: 2014–15 के लिए अप्राप्त	17,000
		जोड़ा: 2015–16 के लिए अग्रिम प्राप्त	4,000
			51,000

टिप्पणी: 31 मार्च 2015 को कुल अप्राप्त चंदे की राशि 18,500 रु. है, इसमें 2013–14 के लिए अप्राप्त चंदे की राशि 1,500 रु. (8,500 रु. – 7,000 रु.) सम्मिलित है। इसलिए 2014–15 के लिए अप्राप्त चंदे की राशि 17,000 रु. (18,500 रु. – 1,500 रु.) होगी।

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2015 को तुलन पत्र (संबंधित आँकड़े)

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
2014–15 के लिए अग्रिम प्राप्त चंदा	5,000	अप्राप्त चंदाः		
		2013–14	1,500	
		2014–15	17,000	18,500

स्वयं करें

1. हेल्थ क्लब को वर्ष 2015-16 के दौरान प्राप्त चंदा नीचे दिया गया है:

	(रु.)
2015-2016	3,000
2016-2017	96,000
2017-2018	2,000
	1,01,000

	(रु.)
31 मार्च, 2016 को अप्राप्त चंदे की राशि	5,000
31 मार्च, 2017 को अप्राप्त चंदे की राशि	12,000
वर्ष 2016-2017 के लिए अग्रिम प्राप्त चंदे की राशि	5,000

आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शायी जाने वाली चंदे की राशि की गणना करें।

2. वर्ष 2018 के दौरान एक स्पोर्टस क्लब द्वारा 80,000 रु. चंदा प्राप्त किया गया। इसमें 3,000 रु. वर्ष 2017 के लिए और 6,000 रु. 2019 वर्ष के सम्मिलित है। 31 मार्च, 2019 को चंदे की राशि, किंतु प्राप्त नहीं हुई, 12,000 रु. है। आय और व्यय खाते में दर्शाए जाने वाले चंदे से आय की राशि की गणना करें।

3. रायल क्लब द्वारा 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान प्राप्त चंदा निम्न है:

	(रु.)
2015-16	3,000
2016-17	93,000
2017-18	2,000
	98,000

क्लब में 500 सदस्य हैं, प्रत्येक 200 रु. की दर से वार्षिक चंदे का भुगतान करता है। 31 मार्च, 2017 को अप्राप्त चंदा 6,000 रु. हैं। 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय खाते में दर्शाए जाने वाले चंदे से आय की गणना करें और इस तिथि को तुलन पत्र में संबंधित आँकड़ों को दर्शाए।

© NCERT not to be republished

दान: इनको प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दर्शाया जाता है। दान किसी विशेष उद्देश्य या सामान्य उद्देश्य के लिए हो सकता है:

(i) *विशेष दान:* यदि दान किसी विशेष उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए किया जाता है, यह विशेष दान कहलाता है, यह विशेष उद्देश्य वतर्मान भवन में विस्तार, नई कंप्यूटर प्रयोगशाला का निर्माण, पुस्तक बैंक का निर्माण आदि हो सकता है। इस प्रकार के दान को पूँजीकरण करेंगे और तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में दर्शाएँगे। यह बिना अपेक्षाएँ कि यह राशि छोटी या बड़ी है। इसका उद्देश्य यह है कि इस राशि का उपयोग केवल विशेष उद्देश्य के लिए हो।

(ii) *सामान्य दान:* इस प्रकार के दान का उपयोग संस्था के सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इनका व्यवहार आगम प्राप्तियों के समान किया जाता है क्योंकि यह आय का निरंतर स्रोत है। इसलिए यह चालू वर्ष के आय एवं व्यय खातों में आय पक्ष में ली जाती है।

वसीयत: यह राशि मृत व्यक्ति की वसीयत के रूप में प्राप्त होंगे। यह प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दर्शायी जाएगी और तुलन पत्र में पूँजी निधि/सामान्य निधि में प्रत्यक्ष जोड़ दी जाएगी क्योंकि यह आवृति प्रकृति की नहीं है परंतु, वसीयत की छोटी राशि को आय माना जाएगा और आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शाया जाएगा।

आजीवन सदस्यता शुल्क: कुछ सदस्य सामयिक चंदे के भुगतान के स्थान पर एकमुश्त राशि को आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में भुगतान को चुनते हैं। इस राशि को पूँजी प्राप्ति माना जाता है और प्रत्यक्ष तौर पर पूँजी/सामान्य निधि में जमा किया जाएगा।

प्रवेश शुल्क: प्रवेश शुल्क सदस्य द्वारा सदस्य बनते समय केवल एक बार दिया जाता है। धर्मार्थ और क्लब जैसे संगठनों की सदस्यता संगठित होती है और इनमें प्रवेश शुल्क भी अधिक होता है। इसलिए इनको अनावृत्ति मानकर सीधे पूँजी/सामान्य निधि में जमा किया जाता है। सामान्यत: कुछ संगठनों जैसे कि शिक्षा संस्थानों में प्रवेश शुल्क निरंतर आय होती है और इसकी राशि भी अपेक्षाकृत कम होती है इस मामले में प्रचलित है कि प्रवेश शुल्क को आय प्राप्ति माना जाता है। साधारण रूप से विशेष परिस्थिति में इसके पूर्ण मूल्य को पूँजी प्राप्ति मानना उपयुक्त होता है। और संबंधित राशि को पूँजी/सामान्य निधि में जोड़ा जाता है।

पुरानी परिसंपत्तियों का विक्रय: पुरानी परिसंपत्तियों के विक्रय से प्राप्तियों को उस वर्ष के प्राप्ति और भुगतान खाते में दर्शाया जाएगा जिसमें यह बेची गयी है परंतु परिसंपत्तियों के विक्रय से अधिलाभ या हानि के वर्ष के आय और व्यय खाते में ले जाया जाएगा। उदाहरण के लिए, एवं यदि फ़र्नीचर जिसका पुस्तक मूल्य 800 रु. है को 700 रु. में बेचा गया। यह 700 रु. की राशि को प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दर्शाया जाएगा और आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष में 100 रु. पुरानी परिसंपत्तियों के विक्रय से हानि के रूप में ले जाएँगे। जबकि तुलन पत्र में फ़र्नीचर के पुस्तक मूल्य में से 800 रु. को घटा कर दर्शाया जाएगा।

पाक्षिकों का विक्रय: यह आवृति प्रकृति की मद है और आय और व्यय खाते के आय पक्ष में दर्शायी जाएगी।

खेल के सामान का विक्रय: खेल के सामान की बिक्री (प्रयोग किया गया सामान जैसे पुरानी बाल, बल्ला, जाल, आदि) किसी खेल क्लब का नियमित लक्षण है। सामान्यत: इसको आय और व्यय खाते में आय के रूप में दर्शाया जाता है।

सम्मानार्थ पारिश्रमिक का भुगतान: यह वह राशि है जिसका भुगतान उस व्यक्ति को किया जाता है जो कि संस्था का पक्का कर्मचारी नहीं है। कलाकार को क्लब में कार्य के लिए भुगतान को आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष में दर्शाया जाएगा।

वृतिक निधि: यह निधि वसीयत या उपहार से उत्पन्न होते हैं। यह आय विशेष उद्देश्य के लिए प्रयोग की जाती है इसलिए यह पूँजी प्राप्ति है और यह तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में विशिष्ट उद्देश्य के निधि के रूप में दर्शायी जाएगी।

सरकारी अनुदान: विद्यालय, विश्वविद्यालय, जनता अस्पताल आदि की गतिविधियाँ, सरकारी अनुदान पर आधारित होती हैं। आवृति अनुदान जो कि निर्वाह अनुदान के रूप में है आगम प्राप्ति माना जाता है (जैसे की चालू वर्ष की आय) तथा आय और व्यय खाते में जमा किया जाता है। परंतु अनुदान जैसे कि भवन के लिए अनुदान को पूँजी प्राप्ति माना जाएगा और भवन निधि खाते में हस्तांतरित किया जाएगा। यह ध्यान रहे कि कुछ अलाभकारी संस्थाएँ सरकार या सरकारी एजेंसी से रोकड़ अनुदान प्राप्त करती है। यह अनुदान भी उस वर्ष के लिए आगम आय होगी जिस वर्ष में यह प्राप्त की जाएगी।

विशेष निधि: अलाभकारी संस्थाएँ विशिष्ट उद्देश्यों/ गतिविधियों जैसे कि पुरस्कार निधि, मैच निधि और खेल निधि आदि के लिए विशेष निधि का निर्माण करती है। इन निधि का प्रतिभूतियों में विनियोग किया जाता है और ऐसे विनियोगों पर अर्जित आय को संबंधित निधि में जमा कर दिया जाता है न कि आय और व्यय खाते के जमा में। इसी प्रकार विशिष्ट उद्देश्य के लिए किए गए व्यय को विशिष्ट निधि में से घटाया जाता है। उदाहरण के लिए एक क्लब खेल गतिविधियों के लिए विशेष निधि बनाता है। इस स्थिति में खेल निधि के विनियोग से ब्याज की आय को खेल निधि में जोड़ा जाएगा और खेल पर सभी व्ययों को घटाया जाएगा। विशेष निधियों का तुलन पत्र में दर्शाया जाएगा। परंतु यदि आय और व्ययों का समायोजन करने के पश्चात विशिष्ट/ विशेष का शेष ऋणात्मक है तो यह आय और व्यय खाते के नाम पक्ष में हस्तांतरित किया जाएगा या दिए गए निर्देशों के अनुसार समायोजित किया जाएगा। (देखे उदाहरण 9)

उदाहरण 8

दर्शाएँ कि आप एक क्लब के अंतिम खाते में निम्न मदों का व्यवहार किस प्रकार करेंगे:

विवरण	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
पुरस्कार निधि		80,000
पुरस्कार निधि का विनियोग	80,000	
पुरस्कार निधि के विनियोग से आय		8,000
पुरस्कार वितरण	6,000	

हल

.... को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पुरस्कार निधि	80,000		पुरस्कार निधि का विनियोग	80,000
जोड़ा: विनियोग से आय	8,000			
	88,000			
घटाया: पुरस्कार का वितरण	6,000	82,000		

उदाहरण 9

(अ) निम्न सूचनाओं को अलाभकारी संस्थाओं के वित्तीय विवरण में दर्शाएँ:

विवरण	*राशि (रु.)*
मैच व्यय	16,000
मैच निधि	8,000
मैच निधि के लिए दान	5,000
मैच टिकटों का विक्रय	7,000

(ब) यदि अन्य व्यय समान रहे और मैच व्यय 6,000 रु. से बढ़ जाए तब क्या प्रभाव होगा।

हल

.... को तुलन पत्र (केवल संबंधित मदें)

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियों*	*राशि (रु.)*
मैच निधि	8,000			
जोड़ा: दान (विशिष्ट)	5,000			
जोड़ा: मैच टिकटों का विक्रय	7,000			
	20,000			
घटाया: मैच व्यय	(16,000)	4,000		
		4,000		

(क) यदि मैच व्यय 6,000 रु. से बढ़ जाता है तो मैच निधि का निवल शेष घटा हुआ होगा जैसे कि नाम, जमा से अधिक है और इसके परिणामस्वरूप 2,000 रु. का नाम शेष इस वर्ष के आय और व्यय खाते से प्रभावित किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए 2

एक अलाभकारी संस्थान के लिए आप दी गई मदों की स्थिति में किस प्रकार व्यवहार करेंगे?

1. प्रतियोगिता निधि 40,000 रु., प्रतियोगिता व्यय 14,000 रु., प्रतियोगिता से प्राप्तियाँ 16,000 रु.।
2. टेबल टेनिस खेल पर व्यय 4,000 रु.।
3. उपहार निधि 22,000 रु., उपहार निधि विनियोग पर ब्याज 3,000 रु., उपहार दिए 5,000 रु., उपहार निधि विनियोग 18,000 रु.।
4. धर्मार्थ प्रदर्शन से प्राप्तियाँ 7,000 रु.। धर्मार्थ प्रदर्शन पर व्यय 3,000 रु.।

उदाहरण 10

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाते से निकाला गया:

भुगतान:

लेखन सामग्री 23,000 रु.

अतिरिक्त सूचनाएँ:

विवरण	*01 अप्रैल, 2012*	*31 मार्च, 2013*
लेखन सामग्री का स्टॉक	4,000	3,000
लेखन सामग्री के लिए लेनदार	9,000	2,500

हल

विवरण	*राशि*
प्राप्ति एवं भुगतान खाते के अनुसार लेखन सामग्री के लिए भुगतान	23,000
घटाया: प्रारम्भिक लेनदार	(9,000)
वर्ष 2015–16 के लिए भुगतान	14,000
जोड़ा: भुगतान नहीं हुआ (अंतिम लेनदार)	2,500
वर्ष 2012–13 के लिए क्रय लेखन सामग्री	16,500
जोड़ा : प्रारंभ में स्टॉक	4,000
वर्ष 2012–2013 के दौरान उपभोग के लिए उपलब्ध लेखन सामग्री	20,500
घटाया: अंतिम स्टॉक	(3,000)
वर्ष 2012–13 के दौरान उपयोग लेखन सामग्री जो कि आय और व्यय खाते के व्यय पक्ष में लाई जाएगी	**17,500**

लेखन सामग्री: सामान्यत: लेखन सामग्री पर किए गए व्यय, एक उपभोग्य मद के रूप में आय और व्यय खाते से प्रभार की जाएगी। परंतु लेखन सामग्री के स्टॉक की दी गई स्थिति (आरंभिक या अंतिम) में लेखन सामग्री के क्रम में आवश्यक समायोजन और उपभोग्य छपाई सामग्री की लागत को निकालने के पश्चात इस राशि को आय और व्यय खाते में और इसके स्टॉक को तुलन पत्र में दर्शाएँगे। *उदाहरण के लिए,* प्राप्ति और भुगतान खाता

© NCERT not to be republished

40,000 रु. छपाई की सामग्री के भुगतान को दर्शाता है और छपाई सामग्री की आरंभिक और अंतिम राशि 12,000 रु. और 15,000 रु. है। छपाई सामग्री के व्यय की राशि की गणना इस प्रकार की जाएगी:

छपाई सामग्री	रु.
क्रय	40,000
जोड़ा: आरंभिक स्टॉक	12,000
	52,000
घटाया: अंतिम स्टॉक	(15,000)
	37,000

स्वयं करें

1. निम्न सूचनाओं से 2017-18 के दौरान उपभोग दवाई की लागत को निकालें।

विवरण	*राशि (रु.)*
दवाई के क्रय के लिए भुगतान	3,70,000
दवाई क्रय के लिए लेनदार-	
1-4-2017 को	25,000
31-3-2018 को	17,000
दवाई का स्टॉक-	
1-4-2017 को	62,000
31-3-2018 को	54,000
दवाई के पूर्तिकर्ता को अग्रिम भुगतान-	
1-4-2017 को	11,500
31-3-2018 को	18,200

2. 31 मार्च, 2018 समाप्त वर्ष के आय और व्यय खाते में खेल सामग्री की किस राशि को दर्शाया जाएगा।

	राशि (रु.)
01 अप्रैल, 2017 को खेल सामग्री का स्टॉक	7,500
01 अप्रैल, 2017 को खेल सामग्री के लेनदार	2,000
31 मार्च, 2018 को खेल सामग्री के लिए भुगतान की गई राशि	6,200
वर्ष 2017-18 के दौरान खेल सामग्री के लिए भुगतान की गई राशि	17,000
31 मार्च, 2018 को खेल सामग्री के लिए अग्रिम भुगतान	3,500
31 मार्च, 2018 को खेल सामग्री के लिए लेनदार	1,200

© NCERT not to be republished

उदाहरण 11

एक मनोरंजक क्लब का 01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक की अवधि का प्राप्ति एवं भुगतान खाता इस प्रकार है:

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*		*राशि (रु.)*
शेष आ/ला			वेतन		24,000
हस्तस्थ रोकड़	27,500		विद्युत बिल		21,000
बैंकस्थ रोकड़	60,000	87,500	रेस्टोरेंट के लिए खाद्य पदार्थ		60,000
सदस्यों का चंदा:			दूरभाष बिल		35,000
2015-2016	12,500		पाक्षिक के लिए चंदा		14,500
2016-2017	1,00,000		छपाई और लेखन सामग्री		13,000
2017-2018	10,000	1,22,500	खेल-कूद व्यय		50,000
फ़र्नीचर का विक्रय			सचिव का सम्मानार्थ पारिश्रमिक		30,000
(पुस्तक मूल्य 8,000 रु.)		10,000	8% विनिवेश (31-03-2017)		1,00,000
खाद्य पदार्थ का विक्रय		1,00,000	शेष आ/ला :		
पुराने पाक्षिक और अखबारों		3,200	हस्तस्थ	21,500	
का विक्रय			बैंकस्थ	45,000	66,500
विवाह के लिए भूमि के प्रयोग		48,750			
का किराया					
खेलकूद के लिए दान		25,000			
लॉकर किराया		17,050			
		4,14,000			**4,14,000**

अतिरिक्त सूचनाएँ

1. क्लब में 225 सदस्य हैं तथा प्रत्येक सदस्य 5606 रु. वार्षिक चंदे का भुगतान करता है। मार्च 31, 2016 को बकाया चंदे की राशि 15,000 रु. है।
2. वर्ष 2016-17 के लिए बकाया दूरभाष बिल राशि 2000 रु. है।
3. लॉकर का बकाया किराया वर्ष 2015-16 के लिए 3050 रु. और 2016-17 के लिए 1500 रु. है।
4. वर्ष 2016-17 के लिए बकाया वेतन 4000 रु. है।
5. प्रिंटिंग व स्टेशनरी का प्रारंभिक स्टॉक 2000 रु. और अंतिम स्टॉक 3000 रु. है।

© NCERT not to be republished

6. 1 अप्रैल, 2016 को अन्य शेष इस प्रकार हैं: फर्नीचर 1,00,000 रु., भवन 6,50,000 रु. एवं खेल फंड 1500 रु.।
7. फर्नीचर और भवन पर ह्रास क्रमश: 12.5% और 5% है।

31 मार्च 2017 के लिए आय एवं व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

हल

मनोरंजन क्लब की पुस्तकें
आय और व्यय खाता
वर्ष 31 मार्च, 2017 की समाप्ति पर

नाम जमा

व्यय		*राशि* (रु.)	*आय*		*राशि* (रु.)
वेतन	24,000		चंदा	1,00,000	
जोड़ा: बकाया	4,000	28,000	*जोड़ा:* बकाया	12,500	1,12,500
विद्युत बिल	35,000	21,000			3,200
दूरभाष प्रभार	2,000	37,000	पुरानी पत्रिकाओं का विक्रय		2,000
जोड़ा: बकाया			फर्नीचर के विक्रय पर लाभ		48,750
सामयिक पत्रिका हेतु चंदा		14,500	विवाह स्थल का किराया		
प्रिंटिग एवं स्टेशनरी	13.000		लॉकर का किराया	17,050	
जोड़ा: प्रारंभिक स्टॉक	2,000		घटाया: प्रारंभिक बकाया	3,050	
	15,000			14,000	
घटाया: अंतिम स्टॉक	3,000	12,000	*जोड़ा:* अंतिम बकाया	1,500	15,500
सचिव का सम्मानार्थ पारिश्रमिक		30,000	खाद्य पदार्थ का विक्रय	1,00,000	
खेल-कूद पर व्यय	50,000		*घटाया:* उपभोग खाद्य	60,000	
घटाया: खेल-कूद निधि	15,000		की लागत		40,000
का प्रारंभिक शेष	35,000				
घटाया: खेल-कूद हेतु दान	25,000	10,000			
ह्रास:					
फर्नीचर	11,500				
भवन	32,500	44,000			
अधिशेष (आय का व्यय पर आधिक्य)		25,450			
		2,21,950			2,21,950

© NCERT not to be republished

वर्ष 31 मार्च, 2016 को मनोरंजन क्लब का तुलन-पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
खेल-कूद निधि	15,000	हस्तस्थ रोकड़	27,500
पूँजी/सामान्य निधि	8,42,550	बैंकस्थ रोकड़	60,000
(शेष राशि)		बकाया चंदा	15,000
		बकाया लॉकर का किराया	3,050
		प्रिंटिग और स्टेश्नरी	2,000
		फ़र्नीचर	1,00,000
		भवन	6,50,000
	8,57,550		**8,57,550**

वर्ष 31 मार्च, 2017 को मनोरंजन क्लब का तुलन-पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
अग्रिम चंदा प्राप्त		10,000	हस्तस्थ रोकड़		21,500
बकाया दूरभाष प्रभार		2,000	बैंकस्थ रोकड़		45,000
बकाया वेतन		4,000	बकाया चंदा		
पूंजी/समान्य निधि	8,42,550		(2016:2500 रु. 2017:12500 रु.)		15,00
जोड़ा: आधिक्य	25,450	8,68,000	बकाया लॉकर का किराया		3,000
(शेष राशि)			प्रिंटिग व स्टेश्नरी		
			फर्नीचर	1,00,000	
			घटाया: विक्रय	8,000	
				92,000	
			घटाया ह्रास	11,500	80,500
			भवन	6,50,000	
			घटाया ह्रास	32,500	6,17,500
			निवेश		1,00,000
		8,84,000			8,84,000

उदाहरण 12

दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते की सहायता से, आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*		*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		41,000	वेतन एवं मज़दूरी		
चंदा:			2016-17	4,800	
2016-17	7,200		2017-18	83,200	88,000
2017-18	3,37,600		विभिन्न व्यय		37,000
2018-19	12,000	3,56,800	पूर्ण स्वामित्व भूमि		60,000
प्रवेश शुल्क		16,000	लेखन सामग्री		16,000
लॉकर किराया		58,000	दर		24,000
जलपान से आय		48,000	जलपान पर व्यय		37,500
निवेश से आय		56,000	दूरभाष व्यय		4,000
			निवेश		2,50,000
			अंकेक्षण फ़ीस		6,000
			शेष आ/ले		53,300
		5,75,800			**5,75,800**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सूचनाएँ:

1. संस्था में कुल सदस्य 1,800 हैं तथा प्रत्येक द्वारा वार्षिक चंदा भुगतान 200 (रु.) 01 अप्रैल 2017 को वर्ष 2017-18 के लिए बकाया 8,000 रु.
2. 31 मार्च, 2018 को जून 2018 तक दर का अग्रिम भुगतान था प्रत्येक वर्ष भुगतान प्रभार 24,000 रु. है
3. 31 मार्च, 2018 को बकाया दूरभाष बिल 1,400 रु. था।
4. 31 मार्च, 2017 को बकाया विभिन्न व्यय 2,800 रु. थे।
5. 31 मार्च, 2017 को लेखन सामग्री का स्टॉक 2,000 रु. था 31 मार्च, 2018 को यह 3,600 रु. था।
6. 31 मार्च, 2017 को भवन का मूल्य 4,00,000 रु. था और इस पर 2.5% प्रतिवर्ष की दर से घिसावट (ह्रास) लगाया गया।
7. 31 मार्च, 2017 को विनिवेश 8,00,000 रु. था।
8. 31 मार्च, 2018 को वर्ष के दौरान खरीदे गए निवेश पर उत्पन्न आय की राशि 1,500 रु. थी।
   31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय तथा इस तिथि का तुलन पत्र तैयार कीजिए। चंदा खाता भी तैयार कीजिए ।

हल

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
आय और व्यय खाता

नाम जमा

व्यय		*राशि (रु.)*	*आय*		*राशि (रु.)*
वेतन और मज़दूरी		83,200	चंदा		3,60,000
विविध व्यय	37,000		प्रवेश शुल्क		16,000
घटाया: 31 मार्च, 2017			लॉकर का किराया		58,000
को बकाया	(2,800)	34,200	जलपान से आय:		
लेखन सामग्री (उपभोग)			जलपान से आगम	48,000	
आरंभिक स्टॉक	2,000		*घटाया:* जलपान व्यय	(37,500)	10,500
जोड़ा: क्रय	16,000		विनियोग से आय	56,000	
	18,000		*जोड़ा:* चालू वर्ष के	1,500	57,500
घटाया: अंतिम स्टॉक	(3,600)	14,400	विनियोगों से अर्जित आय		
दरें	24,000				
घटाया: 2018-19 के लिए					
भुगतान	(6,000)				
जोड़ा: 2017-18 में अग्रिम					
भुगतान	6,000	24,000			

© NCERT not to be republished

दूरभाष व्यय	4,000				
जोड़ा: बकाया	1,400	5,400			
अंकेक्षण फीस		6,000			
भवन पर ह्रास		10,000			
व्यय पर आय का आधिक्य		3,24,800			
		5,02,000			**5,02,000**

31 मार्च, 2018 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
बकाया दूरभाष व्यय		1,400	रोकड़ और बैंक शेष		53,300
अग्रिम प्राप्त चंदा		12,000	अप्राप्त चंदा		23,200
सामान्य निधि	12,49,400		स्टेशनरी का स्टॉक		3,600
जोड़ा: आधिक्य	3,24,800	15,74,200	अग्रिम भुगतान दरें		6,000
			विनियोगों पर अर्जित आय:		1,500
			विनियोग	8,00,000	
			जोड़ा:	2,50,000	10,50,000
			भवन	4,00,000	
			घटाया: ह्रास	(10,000)	3,90,000
			भूमि		60,000
		15,87,600			**15,87,600**

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
बकाया विविध व्यय	2,800	रोकड़ और बैंक शेष	41,000
बकाया वेतन और मज़दूरी	4,800	अप्राप्त चंदा	8,000
सामान्य निधि	12,49,400	लेखन सामग्री का स्टॉक	2,000
(शेष राशि)		अग्रिम भुगतान दरें	6,000
		विनियोग	8,00,000
		भवन	4,00,000
	12,57,000		**12,57,000**

कार्यकारी टिप्पणी

चंदा खाता

नाम *जमा*

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
	आरंभिक शेष अथवा शेष आ/ला (2016-17 वर्ष के लिए बकाया)		8,000		प्राप्ति एवं भुगतान खाता		3,56,800
	आय और व्यय (1800 ×200)		3,60,000		शेष आ/ले		23,200
	शेष आ/ले (2017-18 के लिए अग्रिम प्राप्त)		12,000				
			3,80,000				**3,80,000**

उदाहरण 13

31 मार्च, 2017 वर्ष से संबंधित फ्रेंडस क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न है:

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		राशि (रु.)	भुगतान लेखन सामग्री	राशि (रु.)
आरंभिक हस्तस्थ रोकड़		10,000	वेतन	20,000
चंदा			स्टेशनरी	4,500
2015-16	15,000		कर और दरें	1,500
2016-17	20,000		दूरभाष प्रभार	7,500
2017-18	5,000	40,000	8% सरकारी प्रतिभूतियाँ	25,000
खेलों से आय		17,800	विविध व्यय	500
8% सरकारी प्रतिभूतियों में विनियोग पर ब्याज		5,000	कोरियर सेवा प्रभार	300
			अंतिम हस्तस्थ रोकड़	13,500
		72,800		**72,800**

अतिरिक्त सूचनाएँ:

1. क्लब में 500 सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य वार्षिक चंदा 50 रु. का भुगतान करता है। वर्ष 2016-17 के आरंभ में 2015-16 के चंदे के 17,500 रु. बकाया हैं, 40 सदस्यों ने 2015-16 के लिए चंदे का अग्रिम भुगतान किया था।

© NCERT not to be republished

2. लेखन सामग्री का स्टॉक 31 मार्च, 2017 को 1,500 रु. तथा 31 मार्च, 2016 को 2,000 रु. का था।
3. 31 मार्च, 2017 की दरें एवं कर का अग्रिम भुगतान आने वाली 31 जनवरी तक किया गया। वार्षिक प्रभार 1,500 रु. है।
4. दूरभाष के लिए तिमाही प्रभार बकाया है, उत्पन्न राशि 1,500 रु. तिमाही प्रभार के लिए कोई परिवर्तन नहीं।
5. 31 मार्च, 2017 को उत्पन्न विविध व्यय 250 रु. और 31-03-2016 को 300 रु.।
6. 31 मार्च, 2017 को पुस्तकों में भवन का मूल्य 20,000 रु. है तथा इस पर 10% वार्षिक की दर से ह्रास लगाया जाएगा।
7. 31 मार्च, 2017 को 8% सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्य 75,000 रु. है जो कि सममूल्य पर खरीदी गई थीं। 31 मार्च, 2016 को 25,000 रु. मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय किया गया।

आप तैयार करें-

(अ) 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

(ब) इस तिथि को तुलन-पत्र

हल

फ्रेंडस क्लब की पुस्तकें
31 मार्च, 2016 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
बकाया व्यय			भवन	2,00,000
दूरभाष व्यय	3,000		8% सरकारी प्रतिभूतियों में विनियोग	75,000
विविध व्यय	250	3,250	लेखन सामग्री का स्टॉक	1,500
अग्रिम प्राप्त चंदा		2,000	दरें और कर का अग्रिम भुगतान	1,250
सामान्य निधि		3,00,000	बकाया चंदा	17,500
(शेष राशि)			हस्तस्थ रोकड़	10,000
		3,05,250		**3,05,250**

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
आय और व्यय खाता

व्यय		*राशि (रु.)*	*आय*		*राशि (रु.)*
वेतन		20,000	खेलों से लाभ		17,800
लेखन सामग्री (भुगतान)	4,500		8% सरकारी निवेश पर ब्याज	5,000	

© NCERT not to be republished

जोड़ा: आरंभिक स्टॉक 1,500		*जोड़ा:* प्राप्त 1,000	6,000
6,000			
घटाया: अंतिम स्टॉक (2,000)	4,000	चालू वर्ष के दौरान प्राप्त चंदा 40,000	
		जोड़ा: अग्रिम प्राप्त चंदा 2,000	
दरें और कर 1,500		*जोड़ा:* चालू वर्ष के अंत में बकाया 5,500	
जोड़ा: अग्रिम भुगतान 1,250		(2,500 + 3,000) 47,500	
250		*घटाया:*अंतिम अग्रिम प्राप्त चंदा (5,000)	
		42,500	
*जोड़ा:*आरंभिक अग्रिम भुगतान 1,250	1,500	*घटाया:* चालू वर्ष के आरंभ	
दूरभाष प्रभार का भुगतान 7,500		में अप्राप्त (17,500	25,000
जोड़ा : बकाया (चालू वर्ष) 1,500			
9,000		घटाया: आय पर व्ययों की अधिकता	3,550
घटाया: बकाया (गत वर्ष) 3,000	6,000		
विविध व्ययों का भुगतान 500			
जोड़ा: बकाया (चालू वर्ष) 300			
800			
घटाया: बकाया (गत वर्ष) (250)	550		
भवन पर ह्रास	20,000		
कोरियर प्रभार	300		
	52,350		**52,350**

- सत्यापन: 500 × 50 = 25,000 रु.

31 मार्च, 2017 को फ्रेंडस क्लब का तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
बकाया व्यय		भवन 2,00,000	
दूरभाष प्रभार 1,500		*घटाया:* ह्रास (20,000)	1,80,000
विविध व्यय 300	1,800	8%सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश 75,000	
अग्रिम प्राप्त चंदा	5,000	*जोड़ा:* क्रय 25,000	1,00,000
सामान्य निधि 3,00,000		लेखन सामग्री का स्टॉक	2,000
घटाया: घाटा (3,550)	2,96,450	8% सरकारी प्रतिभूतियों पर अप्राप्त ब्याज	1,000
		अग्रिम भुगतान दरें व कर	1,250
		अप्राप्त चंदा	5,500
		हस्तस्थ रोकड़	13,500
	3,03,250		**3,03,250**

© NCERT not to be republished

1.7 तलपट पर आधारित आय और व्यय खाता

सामान्यत: अलाभकारी संस्थाओं की स्थिति में, आय और व्यय और तुलन पत्र प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दी गई अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर तैयार किए जाते हैं। परंतु कभी खाता तथा कभी इस उद्देश्य के लिए तलपट के साथ कुछ अतिरिक्त सूचनाएँ दी होती हैं।

उदाहरण 14

नीचे एक स्कूल का तलपट और अन्य सूचनाएँ दी गईं हैं। 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र तैयार करें:

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
भवन	6,25,000	प्रवेश शुल्क	12,500
फ़र्नीचर	1,00,000	ट्यूशन फ़ीस	5,00,000
पुस्तकालय की पुस्तकें	1,50,000	पूर्ति के लिए लेनदार	15,000
12% दर का विनियोग	5,00,000	स्कूल के हॉल का किराया	10,000
वेतन	5,00,000	विविध प्राप्तियाँ	30,000
स्टेशनरी	40,000	सरकारी अनुदान	3,50,000
सामान्य व्यय	18,000	सामान्य निधि	10,00,000
खेल व्यय	15,000	पुस्तकालय की पुस्तकों	62,500
बैंकस्थ रोकड़	50,000	के लिए अनुदान	
हस्तस्थ रोकड़	2,000	पुराने फ़र्नीचर का विक्रय	20,000
	20,00,000		**20,00,000**

अन्य सूचनाएँ:

(i) इस वर्ष के लिए अप्राप्त ट्यूशन फीस 25,000 रु.।

(ii) बकाया वेतन की राशि 30,000 रु.।

(iii) 01 अक्तूबर, 2017 को 40,000 रु. की लागत का फ़र्नीचर क्रय किया।

(iv) 01 अप्रैल, 2017 को 50,000 रु. पुस्तक मूल्य के फ़र्नीचर का विक्रय किया।

(v) फ़र्नीचर पर 10% प्रति वर्ष, पुस्तकालय पुस्तकों पर 15% प्रति वर्ष और भवन पर 5% प्रति वर्ष से ह्रास लगाएँ।

© NCERT not to be republished

हल

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
आय और व्यय खाता

व्यय		*राशि (रु.)*	*आय*		*राशि (रु.)*
पुराने फ़र्नीचर के विक्रय पर हानि (50,000 रु. – 20,000 रु.)		30,000	प्रवेश शुल्क		12,500
वेतन	5,00,000		ट्यूशन फ़ीस	5,00,000	
जोड़ा: बकाया	30,000	5,30,000	*जोड़ा:* बकाया	25,000	5,25,000
लेखन सामग्री		40,000	स्कूल के हॉल का किराया		10,000
सामान्य व्यय		18,000	विविध प्राप्तियाँ		30,000
ह्रास:			सरकारी अनुदान		3,50,000
फ़र्नीचर	3,000		विनियोग पर अप्राप्त ब्याज		60,000
भवन	31,250				
पुस्तकालय पुस्तकें	22,500	56,750			
खेल व्यय		15,000			
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)		2,97,750			
		9,87,500			**9,87,500**

कार्यकारी टिप्पणी:

1. प्रवेश शुल्क से स्कूल को नियमित आय है तथा इसे स्कूल की आगम आय के रूप में लेंगे।
2. फ़र्नीचर पर ह्रास की गणना निम्न प्रकार से यह मान कर की जाएगी कि 01 अप्रैल, 2017 को फ़र्नीचर का विक्रय किया गया।

	राशि (रु.)
31 मार्च, 2018 को पुस्तक मूल्य	1,00,000
घटाया: पुस्तक मूल्य के फ़र्नीचर का विक्रय	(50,000)
	50,000
10,000 रु. के फ़र्नीचर पर एक वर्ष के लिए ह्रास	1,000
40,000 रु. के फ़र्नीचर पर 6 महीने के लिए ह्रास	2,000
	3,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2018 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
पूर्ति के लिए लेनदार		15,000	भवन	6,25,000	
बकाया वेतन		30,000	*घटाया:* ह्रास	(31,250)	5,93,750
पुस्तकालय की पुस्तकों के लिए दान		62,500	फ़र्नीचर	1,00,000	
सामान्य निधि	10,00,000		*घटाया:* विक्रय	(50,000)	
जोड़ा: आधिक्य	2,97,750	12,97,750		50,000	
			घटाया: ह्रास	(3,000)	47,000
			अप्राप्त फीस		25,000
			पुस्तकालय पुस्तकें	1,50,000	
			घटाया: ह्रास	(22,500)	1,27,500
			12% दर का विनियोग		5,00,000
			अप्राप्त ब्याज		60,000
			बैंक में रोकड़		50,000
			हस्तस्थ रोकड़		2,000
		14,05,250			**14,05,250**

© NCERT not to be republished

उदाहरण 15

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए मनोरंजन क्लब का आय और व्यय खाता तैयार करें और इस तिथि का निम्न सूचनाओं द्वारा तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 समाप्त वर्ष के लिए

नाम **प्राप्ति एवं भुगतान खाता** *जमा*

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		24,000	किराया और दरें	48,750
चंदा			फ़र्नीचर का क्रय	40,000
2016-17	23,250		खेल सामग्री के लेनदार	61,000
2017-18	3,36,000		खेल सामग्री का क्रय	10,000
2018-19	13,000	3,72,250	पुरस्कार देने की लागत	20,750
खेल सामग्री का विक्रय		26,000	मैच व्यय	35,150
प्रवेश शुल्क		40,000	विविध व्यय	1,50,000
सामान्य दान		20,250	शेष आ/ले	1,34,050
पुरस्कार निधि के लिए अनुदान		14,000		
पुरस्कार निधि के विनियोग पर ब्याज		1,500		
विविध प्राप्तियाँ		1,700		
		4,99,700		**4,99,700**

अतिरिक्त सूचनाएँ:

विवरण	*01 अप्रैल, 2015*	*31 मार्च, 2016*
खेल सामग्री	20,000	25,000
फ़र्नीचर	2,00,000	?
5% पुरस्कार निधि का विनियोग	60,000	?
खेल सामग्री के लिए लेनदार	7,000	14,750
शेष चंदा	23,750	?
पुरस्कार निधि	60,000	?
किराये का अग्रिम भुगतान	-	3,750
बकाया किराया	3,750	–
बकाया विविध व्यय	11,400	20,100
विविध व्यय का अग्रिम भुगतान	3,750	4,250
20,000 रु. पुस्तक मूल्य की खेल सामग्री का क्रय, फ़र्नीचर पर 10% की दर से ह्रस लगाएँ। प्रवेश शुल्क को आधा पूँजीगत मानेगे। क्लब में 1,440 सदस्य हैं प्रत्येक का वार्षिक चंदा 250 रु. है। 01 अप्रैल, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा 7,000 रु. है।		

© NCERT not to be republished

हल

मनोरंजन क्लब की पुस्तकें
31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय		*राशि* (रु.)	*आय*		*राशि* (रु.)
किराया	48,750		चंदा	3,36,000	
घटाया: आरंभिक बकाया	(3,750)		*जोड़ा:* अग्रिम प्राप्त (2017)	7,000	
	45,000		*जोड़ा:* 2016-2017 के लिए अप्राप्त (3,60,000 रु. – 3,43,000रु.)	17,000	3,60,000
घटाया: अग्रिम भुगतान	(3,750)	41,250			
खेल सामग्री					
आरंभिक स्टॉक	20,000		सामान्य दान		20,250
जोड़ा: लेनदारों को भुगतान	61,000		प्रवेश शुल्क		20,000
	81,000		खेल सामग्री (विक्रय पर लाभ) (26,000-20,000)		6,000
जोड़ा: अंतिम लेनदार	14,750				
	95,750				
जोड़ा: रोकड़ क्रंय	10,000		विविध प्राप्तियाँ		1,700
	1,05,750				
घटाया: आरंभिक लेनदार	(7,000)				
	98,750				
घटाया: खेल सामग्री का विक्रय	(20,000)				
	78,750				
घटाया: अंतिम स्टॉक	(25,000)	53,750			
मैच व्यय		35,150			
फ़र्नीचर पर ह्रास		24,000			
विविध व्यय					
भुगतान	150,000				
घटाया: बकाया (2016-2017)	(11,400)				
	1,38,600				
घटाया: अग्रिम भुगतान (2016-2017)	(4,250)				
	1,34,350				
जोड़ा: बकाया	20,100				
	1,54,250				
जोड़ा: अग्रिम भुगतान (2015-2016)	3,750	1,58,200			
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)		95,600			
		4,07,950			**4,07,950**

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
पूँजी निधि (शेष राशि)		2,42,350	फ़र्नीचर	2,00,000
पुरस्कार निधि		60,000	5% इनाम निधि में विनियोग	60,000
खेल सामग्री के लिए लेनदार		7,000	अप्राप्त चंदा	23,750
अग्रिम प्राप्त चंदा		7,000	खेल सामग्री का स्टॉक	20,000
बकाया व्यय			विविध व्यय का	3,750
किराया	3,750		अग्रिम में भुगतान	
विविध व्यय	11,400	15,150	हस्तस्थ रोकड़	24,000
		3,31,500		**3,31,500**

31 मार्च, 2018 को मनोरंजन क्लब का तुलन पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
पूँजी निधि	2,42,350		फ़र्नीचर		
जोड़ा: आधिक्य	95,600		आरंभिक शेष	2,00,000	
जोड़ा: प्रवेश शुल्क	20,000	3,57,950	*जोड़ा:* जमा	40,000	
पुरस्कार निधि	60,000			2,40,000	
जोड़ा: दान	14,000		*घटाया:* ह्रास	(24,000)	2,16,000
प्राप्त ब्याज	1,500		5% पुरस्कार निधि विनियोग		60,000
अप्राप्त ब्याज *	1,500		अप्राप्त चंदा		
	77,000		(2016-2017)	500	
घटाया: पुरस्कार दिए	(20,750)	56,250	(2017-2018)	17,000	17,500
खेल सामग्री के लिए लेनदार		14,750	खेल सामग्री का स्टॉक		25,000
अग्रिम प्राप्त चंदा		13,000	विविध व्ययों का अग्रिम भुगतान		4,250
बकाया विविध व्यय		20,100	अग्रिम भुगतान किराया		3,750
			पुरस्कार निधि विनियोग पर अप्राप्त ब्याज		1,500
			हस्तस्थ रोकड़		1,34,050
		4,62,050			**4,62,050**

टिप्पणी: * 5% की दर से पुरस्कार निधि विनियोग पर ब्याज की राशि 3,000 रु. है जबकि केवल 1,500 रु. प्राप्त हुए हैं, इसलिए शेष को अप्राप्त ब्याज के रूप में मानेंगे।

© NCERT not to be republished

विभिन्न मदें जिनमें अनेक व्यवहार सम्मिलित हैं को पृथक रूप से खाता तैयार करने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस स्थिति में चंदे के लिए खाता, विविध व्यय और खेलकूद सामग्री को कक्षा की गतिविधियों में बनाया जाएगा।

उदाहरण 16

शिव–इ–नारायण एजूकेशन ट्रस्ट 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते के संबंध में निम्न सूचनाएँ उपलब्ध कराती हैं।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
01 अप्रैल, 2017 को हस्तस्थ रोकड़		3,000	छपाई और लेखन सामग्री	6,000
01 अप्रैल, 2017 को बैंक में रोकड़		15,000	बिजली और पानी	2,600
चंदा:			किराया	21,000
2015-16	12,000		विज्ञापन	2,820
2016-17	46,000		विविध व्यय	4,400
2017-18	15,600	73,600	स्टॉफ़ का वेतन	85,000
प्रवेश शुल्क		25,200	फ़र्नीचर का क्रय	28,000
ट्यूशन फ़ीस			सम्मानार्थ पारितोषिक	15,000
2017-18	80,000		पुस्तकें	5,000
2018-19	10,000	90,000	31 मार्च , 2018 को हस्तस्थ रोकड़	9,180
विनियोग पर ब्याज:			31 मार्च , 2018 को बैंक में रोकड़	45,000
2016-17	4,000			
2017-18	6,000	10,000		
विविध प्राप्तियाँ		7,200		
		2,24,000		**2,24,000**

31 मार्च, 2017 को निम्न शेष दर्शाए गए हैं।
विनियोग 1,60,000 रु., फ़र्नीचर 40,000 रु. और पुस्तकें 20,000 रु.

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
आय और व्यय खाता

नाम *जमा*

व्यय	*राशि (रु.)*	*आय*	*राशि (रु.)*
छपाई और लेखन सामग्री	7,800	चंदा	46,000
बिजली और पानी	2,600	विनियोग पर ब्याज	6,800
किराया	24,000	विविध आय	7,200
स्टॉफ़ का वेतन	84,000	ट्यूशन फ़ीस	90,000
विज्ञापन	3,200		
सम्मानार्थ पारितोषिक	15,000		
विविध व्यय	4,400		
फ़र्नीचर पर ह्रास	4,000		
आधिक्य (आय का व्यय पर आधिक्य)	5,000		
	1,50,000		**1,50,000**

प्रारंभिक और अंतिम तुलन पत्र बनाएँ।

हल

शिव-ए-नारायण एजूकेशन ट्रस्ट की पुस्तकें
31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पूँजी/सामान्य निधि (शेष राशि)	2,54,000	विनियोग	1,60,000
		फ़र्नीचर	40,000
		पुस्तकें	20,000
		अप्राप्त चंदा	12,000
		विनियोग पर अर्जित ब्याज	4,000
		हस्तस्थ रोकड़	3,000
		बैंकस्थ रोकड़	15,000
	2,54,000		**2,54,000**

© NCERT not to be republished

शिव-ए-नारायण एजूकेशन ट्रस्ट का
31 मार्च, 2018 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
अग्रिम ट्यूशन फ़ीस		10,000	विनियोग		1,60,000
बकाया किराया		3,000	फ़र्नीचर	40,000	
बकाया विज्ञापन		380	*घटाया:* ह्रास	(4,000)	
छपाई एवं लेखन सामग्री बकाया		1,800		36,000	
अग्रिम चंदा		15,600	*जोड़ा:* क्रय	28,000	64,000
पूँजी/समान्य निधि	2,54,000		पुस्तकें	20,000	
जोड़ा: प्रवेश शुल्क	25,200		*जोड़ा:* क्रय	5,000	25,000
जोड़ा: आधिक्य	5,000	2,84,200	अर्जित ब्याज		800
			अप्राप्त ट्यूशन फ़ीस		10,000
			स्टॉफ़ को अग्रिम वेतन		1,000
			हस्तस्थ रोकड़		9,180
			बैंकस्थ रोकड़		45,000
		3,14,980			**3,14,980**

टिप्पणी:

1. चालू वर्ष में आय और व्यय खाता विनियोग पर ब्याज से 6,800 रु. आय को दर्शाता है जबकि प्राप्ति एवं भुगतान खाता 6,000 रु. दर्शाता है, 800 रु. अंतर का अर्थ यह है कि विनियोग पर ब्याज प्राप्त है परंतु वर्ष के दौरान प्राप्त नहीं हुए हैं।
2. आय और व्यय खाता 90,000 रु. को ट्यूशन फ़ीस से आय को दर्शाता है हालाँकि प्राप्ति एवं भुगतान खाता वर्ष 2018-19 के लिए 10,000 रु. और 2017-18 के लिए 8,00,000 रु. को ट्यूशन फ़ीस से प्राप्तियों को दर्शाता है। यह व्यक्त है कि 2017-18 वर्ष के लिए टयूशन फीस के 10,000 रु. अभी तक अप्राप्त हैं (ट्यूशन फ़ीस बकाया है)
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाता, स्टॉफ़ के वेतन के लिए 85,000 रु. का एक भुगतान दर्शाता है, लेकिन आय और व्यय खाता, स्टॉफ़ और वेतन के लिए 84,000 रु. का व्यय दर्शाता है। इससे आश्य है कि 1,000 रु. का आधिक्य जो कि प्राप्ति एवं भुगतान खाते द्वारा दर्शाया गया है या तो गत वर्ष से संबंधित है और या फिर आगामी वर्ष से। यहाँ स्टॉफ वेतन जो कि 100 रु. के गत वर्ष 2018-19 के अंत में बकाया होने का कोई प्रमाण नहीं हैं इसलिए 1,000 रु. का भुगतान स्टॉफ़ को वेतन के लिए अग्रिम वेतन माना जाएगा।

© NCERT not to be republished

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. अलाभकारी संस्थाएँ
2. प्राप्ति एवं भुगतान खाता
3. आय और व्यय खाता
4. प्रवेश शुल्क
5. आजीवन सदस्यता शुल्क
6. विशेष प्राप्तियाँ
7. चंदा
8. दान

सारांश

1. *लाभ अर्जित करने वाली संस्थाएँ और अलाभकारी संस्थाओं में अंतर:* लाभ अर्जित करने वाली संस्थाओं में अपने नियोक्त को वित्तीय लाभ प्रदान करने के लिए उत्पादन व्यापार, बैंकिंग तथा बीमा इत्यादि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं। अलाभकारी संस्थाओं का अस्तित्व इसके सदस्यों या समाज को सेवाएँ प्रदान करने के लिए होता है।

2. *अलाभकारी संस्थाओं के लिए पृथक लेखांकन व्यवहार की आवश्यकता:* जैसे कि अलाभकारी संस्थाओं का प्राथमिक उद्देश्य सेवा भावना होता है। इनके प्रबंधकों द्वारा लिए गए निर्णय और लाभ अर्जित करने वाले प्रतिष्ठानों में लिए गए निर्णय में अंतर होता है। अंतर की प्रकृति यह दर्शाती है कि वित्तीय सूचनाएँ जिन पर यह आधारित हैं, सूचनाओं और प्रदर्शन में अंतर अवश्य होगा।

3. *अलाभकारी संस्थानों द्वारा तैयार सैद्धांतिक वित्तीय विवरणों की प्रकृति की व्याख्या:* अलाभकारी संस्थाएँ जिनके खाते द्विअंकन बहीखाता प्रणाली पर आधारित होते हैं। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के सामान्यत: तीन सैद्धांतिक विवरण तैयार करते हैं। इनमें प्राप्ति एवं भुगतान खाता, आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र सम्मिलित हैं। प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ बही का सारांश है जो कि सभी रोकड़ प्राप्तियों एवं भुगतानों का अभिलेखन, पूँजी और आगम मदों और चालू वर्ष से संबंधित मदों और वह जो गत वर्ष और आगामी वर्ष से संबंधित है, में अंतर किए बिना करता है।

   आय और व्यय खाता एक आय विवरण है, जो कि आगम आयों का आगम व्ययों पर आधिक्य और इसके विपरीत एक विशेष लेखांकन वर्ष के लिए संस्थानों के सभी क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप निधारण करने के लिए तैयार किया जाता है। यद्यपि इसे लाभ अर्जित करने वाले प्रतिष्ठानों के व्यापार एवं लाभ एवं हानि खाते के स्थानापन्न माना जाता है लेकिन इन दोनों विवरणों की अवधारणा में कुछ अंतर हैं। लेखांकन वर्ष के अंत में इस तिथि पर वित्तीय स्थिति को ज्ञात करने के लिए तुलन पत्र को तैयार किया जाता है। इसमें सम्मिलित है, पूँजी निधि और संचित निधि, विशिष्ट उद्देश्य निधि और बाएँ पक्ष या दायित्व पक्ष में चालू दायित्व और दाएँ पक्ष या परिसंपत्ति पक्ष में स्थायी परिसंपत्तियाँ और चालू परिसंपत्तियाँ।

4. *प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अंतर:* प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अनेक अंतर पाए जाते हैं जो कि उनकी प्रकृति तथा दोनों विवरणों का प्रमाण होते हैं। जबकि पहले में दोनों पूँजी और आगम प्राप्ति एवं भुगतान जो कि किसी भी लेखा अवधि से संबंधित हों तथा बाद वाले में केवल आगम मदें जो कि चालू लेखा वर्ष से संबंधित होते हैं, को प्रलेखित किया जाता है। बाद वाले में गैर-रोकड़ मदें जैसे स्थायी परिसंपत्तियों पर ह्रास और बकाया आय और व्यय दर्शाए जाएँगे लेकिन पहले वाले में इनको शामिल नहीं किया जाएगा। प्राप्ति एवं भुगतान खाता एक आरंभिक शेष रखता है जबकि आय और व्यय खाता यह नहीं रखता। पहले वाले खाते का अंतिम शेष, अंतिम तिथि पर रोकड़ और बैंक शेष दर्शाता है जबकि बाद वाले खाते संस्थान की गतिविधियों से आधिक्य या घाटा को प्रदर्शित करते हैं।

5. *प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाना:* इसके लिए जरूरी पाँच चरण हैं: (i) आगम प्राप्तियों का नाम पक्ष में समायोजन जिसमें सम्मिलित है, अप्रयाप्त आय और चालू वर्ष से संबंधित पहले प्राप्त आय और बकाया या अग्रिम प्राप्त राशि को अलग करेंगे। (ii) आगम भुगतानों को जमा पक्ष में समायोजन। (iii) गैर-रोकड़ व्ययों और हानियों को पहचानना तथा उन्हें आय और व्यय खाते के नाम पक्ष में दर्शाना। (iv) आय और व्यय खाते के नाम/जमा पक्ष में व्यापारिक सामाजिक गतिविधियों से होने वाले लाभ या हानि को दर्शाना और गणना करना। (v) आय और व्यय खाते के अंतिम शेष का निर्धारण आधिक्य या घाटे के रूप में करना।

अभ्यास के लिए प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अलाभकारी संस्थाओं का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
3. आय और व्यय खाते का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
4. प्राप्ति और भुगतान खाते के उद्देश्य क्या हैं?
5. प्राप्ति और भुगतान खाते से आय और व्यय खाता बनाने के लिए कौन-कौन से चरण हैं?
6. चंदा क्या है? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?
7. पूँजी निधि क्या है? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?

निबंधात्मक प्रश्न

1. कथन स्पष्ट कीजिए: ''प्राप्ति एवं भुगतान खाता, रोकड़ बही का सारांश है''।
2. अलाभकारी संस्थाओं को आय और व्यय खाता, व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लाभ-हानि खाते के समान होता है। कथन की विवेचना कीजिए।
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. आय और व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते के आधारभूत उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

5. अलाभकारी संस्थाओं के द्वारा निम्न मदों के लिए किए जाने वाले व्यवहार को दर्शाएं:
   (i) वार्षिक चंदा
   (ii) विशिष्ट दान
   (iii) स्थायी परिसंपत्तियों का विक्रय
   (iv) पुराने साप्ताहिकों/पाक्षिकों का विक्रय
   (v) खेलकूद के सामान का विक्रय
   (vi) आजीवन सदस्यता शुल्क
6. आय और व्यय खाते में उन मदों का व्यवहार दर्शाइए जब उनके लिए एक विशिष्ट निधि हो।
7. प्राप्ति एवं भुगतान खाता क्या है? यह आय और व्यय खाते से किस प्रकार भिन्न है?

अंकिक प्रश्न

1. एक हैल्थ क्लब की रोकड़ पुस्तक से लिए गए निम्न विवरणों द्वारा प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए।

	रु.
आरंभिक शेष:	
हस्तस्थ रोकड़	5,000
बैंक रोकड़	25,000
चंदा	1,65,000
दान	35,000
विनियोग क्रय	80,000
किराया भुगतान	20,000
सामान्य व्यय	21,500
डाक व्यय	2,000
कोरियर व्यय	1,000
विविध व्यय	2,500
अंतिम हस्तस्थ रोकड़	12,000

(**उत्तर:** बैंकस्थ रोकड़ (शेष) 91,000 रु.)

2. हरिमोहन धर्मार्थ संस्थान का प्राप्ति एवं भुगतान खाता दिया गया है:

31 मार्च, 2015 प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
पिछले वर्ष का शेष आ/ला		फ़र्नीचर	3,000
		विनियोग	55,000
बैंकस्थ रोकड़	22,000	भवन के लिए अग्रिम	20,000
हस्तस्थ रोकड़	8,800	दान	60,000
दान	32,000	वेतन	10,400

चंदा	50,200	किराया एवं कर	4,000
बीमा निधि	60,000	छपाई	1,000
रिक्थ	24,000	डाक	300
विनियोग पर ब्याज	3,800	विज्ञापन	1,100
जमा पर ब्याज	800	बीमा	4,800
पुराने अखबारों का विक्रय	500	शेष आ/ले	
		बैंक में रोकड़	32,000
		हस्तस्थ रोकड़	10,500
	2,02,100		**2,02,100**

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्न सूचनाओं को ध्यान में रखकर आय और व्यय खाता तैयार कीजिए:

(i) यह निर्धारित किया गया है कि वसीयत और दान में प्राप्त 50% राशि को आय माना जाएगा।

(ii) दिए गए दायित्व हैं:
किराया 800 रु., वेतन 1,200 रु., विज्ञापन 200 रु.

(iii) विनियोग पर ब्याज की अप्राप्त राशि 2,000 रु.
(**उत्तर :** आय का व्यय पर आधिक्य 1,500 रु.)

3. दिए गए विवरणों से आय और व्यय खाता तैयार कीजिए

विवरण	*राशि (रु.)*
फ़ीस एकत्रित, पिछले वर्ष के खातों से 80,000 रु. सहित	5,20,000
वर्ष की बकाया फ़ीस	30,000
वेतन भुगतान पिछले वर्ष के खातों से 5,000 रु. सहित	68,000
वर्ष के अंत में बकाया वेतन	3,000
मनोरंजन व्यय	8,000
टूर्नामेंट व्यय	25,000
मीटिंग व्यय	18,000
यात्रा व्यय	7,000
पुस्तक और पाक्षिकों का क्रय 31,000 रु. की पुस्तकों के क्रय सहित	40,000
किराया	15,000
डाक, तार एवं दूरभाष	6,000
छपाई एवं लेखन सामग्री	18,000
प्राप्त दान	25,000

(**उत्तर:** आय का व्यय पर आधिक्य 3,23,000 रु.)

© NCERT not to be republished

4. एक स्पोर्ट्स क्लब की कुछ मदों से संबंधित सूचनाएँ निम्न हैं। इन मदों को क्लब के आय और व्यय खाते तथा तुलन पत्र में दर्शाइये।

विवरण	*राशि (रु.)*
खेल निधि 01 अप्रैल, 2016 को	35,000
खेल निधि विनियोग	35,000
खेल निधि पर ब्याज	4,000
खेल निधि के लिए अनुदान	15,000
खेल पुरस्कार	10,000
खेल आयोजन पर व्यय	4,000
सामान्य निधि	80,000
सामान्य निधि विनियोग	80,000
सामान्य निधि विनियोग पर ब्याज	8,000

(**उत्तर :** खेल निधि का शेष 40,000 रु.)

5. 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए बोम्बे वुमैन क्रिकेट क्लब का आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करते समय निम्न मदों के साथ क्या व्यवहार करेंगे?

विवरण	*(रु.)*
(अ) वर्ष के दौरान स्थायी पवेलियन के निर्माण के लिए प्राप्त अनुदान	12,25,000
31 मार्च, 2018 तक निर्माण पर व्यय	10,80,000
पवेलियन निर्माण पर व्यय की कुल अनुमानित राशि	25,00,000
(ब) टूर्नामेंट निधि	
01 अप्रैल, 2017 को शेष	10,700
वर्ष के दौरान टूर्नामेंट के लिए प्राप्त चंदा	65,800
टूर्नामेंट के लिए वर्ष के दौरान किए व्यय	72,400
(स) वर्ष के दौरान प्राप्त आजीवन सदस्यता शुल्क	28,000
कारण सहित उत्तर दीजिए।	

(**उत्तर :** (अ) पवेलियन निधि का शेष 1,45,000 रु.; (ब) टूर्नामेंट निधि का शेष 4,100 रु.; (स) आजीवन सदस्यता शुल्क पूँजीगत प्राप्ति है।

6. अडल्ट लिटरेसी संस्थान द्वारा दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान खाते तथा निम्न सूचनाओं के आधार पर 31, मार्च, 2018 वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा आरंभिक तुलन पत्र तैयार कीजिए।

31 दिसंबर, 2018 को प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ		*राशि* (रु.)	*भुगतान*	*राशि* (रु.)
शेष आ/ला			सामान्य व्यय	3,200
हस्तस्थ रोकड़		4,000	अखबार	1,850
बैंकस्थ रोकड़		15,550	विद्युत	3,000
चंदा			बैंक में स्थायी जमा	18,000
2016	1,200		(30 जून 2018 को)	
2017	26,500		दर 10% प्रति वर्ष	
2018	500	28,200	पुस्तकें	7,000
			वेतन	3,600
पुराने अखबारों का विक्रय		1,250	किराया	6,500
सरकार द्वारा सहायता		12,000	डाक व्यय	300
पुराने फ़र्नीचर का विक्रय			फ़र्नीचर (क्रय)	10,500
(पुस्तक मूल्य 5,000 रु.)		3,700	शेष आ/ले	
स्थायी जमा पर प्राप्त ब्याज		450	हस्तस्थ रोकड़	3,000
			बैंकस्थ रोकड़	8,200
		65,150		**65,150**

सूचनाएँ

1. बकाया चंदा
   31.03.2016 को 2,000 रु. और 31.03.2017 को 1,500 रु.
2. 31.03.2017 को बकाया वेतन 600 रु. और एक महीने का किराया अग्रिम भुगतान किया गया।
3. 01.04.2017 पर संस्थान के पास फ़र्नीचर 12,000 रु. तथा पुस्तकें 5,000 रु.

(**उत्तर :** आधिक्य 22,300 रु. आरंभिक पूँजी निधि 38,550 रु. तुलन पत्र का जोड़ 61,950 रु.)

7. 31 मार्च, 2018 को नारी कल्याण समिति द्वारा किए गए रोकड़ व्यवहारों के खातों का विवरण इस प्रकार है।

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि* (रु.)	*भुगतान*	*राशि* (रु.)
पिछले वर्ष का शेष	2,270	किराया	6,600
चंदा	32,500	विद्युत प्रभार	3,200
आजीवन सदस्यता शुल्क	3,250	प्रवक्ता शुल्क	730
दान	2,500	कार्यालय व्यय	1,480
मनोरंजन से लाभ	7,250	छपाई एवं लेखन सामग्री	1,050
पुरानी पुस्तकों का विक्रय	750	कानूनी व्यय	1,870
(पुस्तक मूल्य 1,000 रु.)		पुस्तकें	6,500

ब्याज	350	फ़र्नीचर क्रय	8,600
		नुक्कड़ नाटक पर व्यय	1,300
		हस्तस्थ रोकड़	8,040
		बैंक में रोकड़	9,500
	48,870		**48,870**

निम्न समायोजनों के पश्चात आप आय और व्यय खाता तैयार कीजिए।

(अ) 750 रु. चंदा अभी प्राप्त होना बाकी है, परंतु चंदे में 500 रु. वर्ष 2019 के लिए शामिल है।

(ब) वर्ष के आरंभ में संघ के पास 2,000 रु. का भवन और 3,000 रु. का फ़र्नीचर और 2,000 रु. की पुस्तकें हैं।

(स) फ़र्नीचर पर 5% की दर से (क्रय सहित) पुस्तक पर 10% की दर से और भवन पर 5% की दर से ह्रास लगाए।

(**उत्तर** आधिक्य 24,040)

8. निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता इंडियन स्पोटर्स क्लब का है। 31 मार्च, 2018 को आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर
प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम जमा

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला	7,890	वेतन	11,000
चंदा	52,000	बिजली व्यय	5,500
आजीवन सदस्यता शुल्क	2,200	बिलियर्ड खेल की टेबल	17,500
प्रवेश शुल्क	3,200	कार्यालय व्यय	4,100
टूर्नामेंट निधि	26,000	छपाई एवं लेखन सामग्री	2,300
लाकर का किराया	1,250	टूर्नामेंट व्यय	18,500
पुराने खेल सामान की बिक्री	2,500	मैदान की मरम्मत	2,000
(लागत 2,200 रु.)		फ़र्नीचर का क्रय	7,700
पुराने अखबार की बिक्री	750	खेल का सामान	12,000
वसीयत	37,500	हस्तस्थ रोकड़	12,690
		बैंकस्थ रोकड़	10,000
		स्थायी जमा	30,000
		(01.01.2018 को 10% प्रति वर्ष)	
	1,33,290		**1,33,290**

© NCERT not to be republished

अन्य सूचनाएँ :

चंदा 31 मार्च, 2017 को 1,200 रु. और 31 मार्च, 2018 को 3,200 रु. अप्राप्त है। 31 मार्च, 2018 को लॉकर का किराया 250 रु. अप्राप्त है। 31 मार्च, 2018 को वेतन के 1,000 रु. बकाया है।

01 अप्रैल, 2018 को क्लब के पास भवन 36,000 रु., फ़र्नीचर 12,000 रु., खेल का सामान 17,500 रु. है। इन मदों पर 10% की दर से ह्रास लगाएँ (क्रय सहित)

(**उत्तरः** आधिक्य 26,300 रु., आरंभिक पूँजी निधि 74,590 रु., अंतिम तुलन पत्र का योग 1,49,090 रु.)

9. जन कल्याण क्लब के निम्न प्राप्ति और भुगतान खाते से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
01.04.2017 को हस्तस्थ रोकड़	6,800	वेतन	24,000
चंदा	60,200	यात्रा व्यय	6,000
दान	3,000	लेखन सामग्री	2,300
फ़र्नीचर का विक्रय	4,000	किराया	16,000
(पुस्तक मूल्य 6,000 रु.)		मरम्मत	700
प्रवेश शुल्क	800	पुस्तकों का क्रय	6,000
आजीवन सदस्यता शुल्क	7,000	भवन का क्रय	30,000
विनियोग पर ब्याज	5,000	31.03.2018 को हस्तस्थ रोकड़	1,800
(पूरे वर्ष के लिए 5% दर से)			
	86,800		**86,800**

अतिरिक्त सूचनाएँ:

	01.04.2017 (रु.) का	*31.03.2018 (रु.) का*
1. अग्रिम प्राप्त चंदा	1,000	3,200
2. अप्राप्त चंदा	2,000	3,700
3. लेखन सामग्री का स्टॉक	1,200	800
4. पुस्तकें	13,500	16,500
5. फ़र्नीचर	16,000	8,000
6. बकाया किराया	1,000	2,000

(**उत्तर :** आधिक्य 11,100 रु., आरंभिक पूँजी निधि 1,37,500 रु., तुलन पत्र का योग 1,60,800 रु.)

10. 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए शंकर स्पोटर्स क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता नीचे दिया गया है।

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
आरंभिक हस्तस्थ रोकड़	2,600	किराया	18,000
प्रवेश शुल्क	3,200	मज़दूरी	7,000
भवन के लिए अनुदान	23,000	बिलियर्ड्स टेबल	14,000
लॉकर का किराया	1,200	फ़र्नीचर	10,000
आजीवन सदस्यता शुल्क	7,000	ब्याज	2,000
मनोरंजन से लाभ	3,000	डाक	1,000
चंदा	40,000	वेतन	24,000
		अंतिम हस्तस्थ रोकड़	4,000
	80,000		**80,000**

निम्न सूचनाओं की सहायता से आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2017 को अप्राप्त चंदा 1,200 रु. और 31 मार्च, 2018 का 2,300 रु. है, डाक टिकटों का आरंभिक स्टॉक 300 रु. और अंतिम स्टॉक 200 रु. है, 1,500 रु. किराया 2015 वर्ष से सबंधित है और 1,500 रु. का भुगतान अभी तक बाकी है।

01 अप्रैल, 2017 को क्लब के पास 15,000 रु. का फ़र्नीचर है। 31 मार्च, 2018 को, फ़र्नीचर का मूल्य 22,500 रु. है। क्लब ने 2018 में (10% वार्षिक की दर से) 2,000 रु. का ऋण लिया है।

(**उत्तर :** घाटा 6,100 रु. आरंभिक पूँजी निधि घाटा 2,400 रु., अंतिम तुलन पत्र का योग 44,500 रु.)

11. निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता और तुलन पत्र द्वारा 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
आरंभिक रोकड़ शेष		12,000	फ़र्नीचर	4,000
चंदा:			दूरभाष व्यय	800
2016-2017	2,000		वेतन:	
2017-2018	22,000	24,000	2016-2017	1,000
प्रवेश शुल्क		2,800	2017-2018	4,000
लॉकर का किराया		1,000	अखबार	700
आजीवन सदस्यता शुल्क		1,200	विविध व्यय	1,000
सरकारी सहायता		11,000	रक्षा बाण्ड्स	18,000
			भूमि	20,000
			अंतिम रोकड़ शेष	2,500
		52,000		**52,000**

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र

नाम *जमा*

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
अग्रिम लॉकर किराया	200	हस्तस्थ रोकड़	12,000
अग्रिम प्राप्त चंदा	1,000	अप्राप्त चंदा	3,000
बकाया वेतन	2,000	भवन	35,000
ऋण	10,000		
पूँजी निधि	36,800		
	50,000		**50,000**

(**उत्तर:** आधिक्य 31,500 रु. अंतिम तुलन पत्र का योग 80,500 रु.)

12. निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए अंतिम खाते तैयार करें:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		15,000	फ़र्नीचर	18,000
पुराने फ़र्नीचर का विक्रय		4,000	पुस्तकालय पुस्तकें	10,000
(लागत 6,000 रु.)			वेतन	72,000
चंदा			सामान्य व्यय	18,000
2016-17	18,000		बिजली व्यय	12,000
2017-18	60,000		अखबार	33,800
2018-19	12,000	90,000	डाक	3,000
पुराने अखबार की बिक्री		10,800	लेखन सामग्री	40,000
मनोरंजन से लाभ		44,000	अंकेक्षण शुल्क	8,000
किराया		84,000	शेष आ/ले	33,000
		2,47,800		**2,47,800**

31 मार्च, 2017 को तुलन-पत्र

नाम *जमा*

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
बकाया वेतन	6,000	रोकड़	15,000
पूँजी निधि	6,94,000	अप्राप्त चंदा	18,000
		पुस्तकालय पुस्तकें	30,000
		फ़र्नीचर	37,000
		भूमि और भवन	6,00,000
	7,00,000		**7,00,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सूचनाएँ

1. क्लब में 500 सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य वार्षिक चंदे के लिए 150 रु. का भुगतान करता है।
2. 31 मार्च, 2018 को बकाया वेतन की राशि 1,200 रु. और वेतन भुगतान में 6,000 रु. वर्ष 2016-17 के लिए है।
3. भवन और भूमि पर 5% ह्रास लगाएँ।

(**उत्तर:** हानि 200 रु., अंतिम तुलन पत्र का योग 7,07,000 रु.)

13. स्पोटर्स क्लब की कुछ मदों के संबंध में सूचनाएँ निम्न है, आप इनको आय और व्यय खाता और तुलन पत्र में दर्शाएँ।

विवरण	*राशि (रु.)*
01 अप्रैल, 2018 को खेल निधि	80,000
खेल निधि विनियोग	80,000
खेल निधि विनियोग पर ब्याज	8,000
खेल निधि के लिए दान	30,000
खेल पुरस्कार का अलंकरण	16,000
खेलों पर व्यय	7,000
सामान्य निधि	2,00,000
सामान्य निधि विनियोग	2,00,000
सामान्य निधि विनियोग पर लाभ	20,000

14. मैत्रिय स्पोटर्स क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता यह दर्शाता है कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए चंदे के रूप में 68,500 रु. प्राप्त हुए।

अतिरिक्त सूचनाएँ :

1. 31 मार्च, 2017 को अप्राप्त चंदा 6,500 रु. है।
2. 31 मार्च, 2017 को अग्रिम प्राप्त चंदा 4,100 रु. है।
3. 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदा 5,400 रु. है।
4. 31 मार्च, 2018 को अग्रिम प्राप्त चंदा 2,500 रु. है।

31 मार्च, 2018 को मैत्रिय क्लब के अंतिम खातों में उपयुक्त सूचनाओं को प्रदर्शित करें।

(**उत्तर :** 31 मार्च, 2018 को आय और व्यय खाते में चंदे के 69,000 रु. जमा करेंगे। 31 मार्च, 2018 को अप्राप्त चंदे की राशि को तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में और 31 मार्च, 2018 को 2,500 रु. के अग्रिम प्राप्त चंदे को तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में दर्शाया जाएगा।

15. रोहतगी ट्रस्ट का प्राप्ति एवं भुगतान खाता इस प्रकार है:

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
हस्तस्थ रोकड़	14,000	किराया	6,000
बैंक में रोकड़	60,000	वेतन	12,000
चंदा:		डाक	300

2016-2017	5,000		बिजली व्यय	6,000
2017-2018	83,000		फ़र्नीचर का क्रय	20,000
2018-2019	3,000	91,000	पुस्तकें	3,000
			रक्षा बॉण्ड्स	1,50,000
विनियोग का विक्रय		90,000	विद्यार्थियों की मदद	22,000
विनियोग पर ब्याज		2,000	हस्तस्थ रोकड़	10,900
पुराने फ़र्नीचर का विक्रय (पुस्तक मूल्य 3,000 रु.)		3,200	बैंक में रोकड़	30,000
		2,60,200		**2,60,200**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तैयार करें और निम्न समायोजनों के पश्चात इस तिथि को तुलन पत्र तैयार करें। वर्ष 2018 के लिए अभी तक अप्राप्त चंदा 7,000 रु., रक्षा बॉण्ड्स पर 7,000 रु. ब्याज अप्राप्य है, 1,000 रु. का किराया बकाया है विक्रय किए गए विनियोग का पुस्तक मूल्य 80,000 रु. हैं 30,000 रु. के विनियोग अभी बाकी है। 2017 प्राप्त चंदे में 400 रु. आजीवन सदस्य से प्राप्त शामिल है। 01 जनवरी, 2018 को कुल फ़र्नीचर का मूल्य 12,000 रु. है। 2014 के लिए 2,000 रु. के वेतन का भुगतान किया गया है।

(**उत्तर:** आधिक्य 63,500 रु., अंतिम तुलन पत्र का योग 2,68,900 रु.)

16. 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाता दिल्ली चेरीटेबल ट्रस्ट की रोकड़ पुस्तक से बनाया गया है।

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		दान	11,500
हस्तस्थ रोकड़	11,500	किराया और कर	3,200
बैंक में रोकड़	12,600	वेतन	6,000
अनुदान	9,000	छपाई	600
चंदा	42,800	डाक	300
वसीयत	18,000	विज्ञापन	4,500
विनियोग पर ब्याज	4,500	बीमा	2,000
पुराने अखबार की बिक्री	200	फ़र्नीचर	21,600
		विनियोग	23,000
		शेष आ/ला	
		हस्तस्थ रोकड़	9,900
		बैंक में रोकड़	16,000
	98,600		**98,600**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि को निम्न समायोजनों के पश्चात तुलन पत्र तैयार करें।

(अ) यह निर्णय हुआ कि दान में प्राप्त राशि का 1/3 भाग आय माना जाएगा।

(ब) 3 महीने के बीमा प्रीमियम का अग्रिम भुगतान किया हुआ है।

(स) विनियोग पर 1,100 रु. अर्जित ब्याज अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

(द) किराया 600 रु., वेतन 900 रु. और विज्ञापन व्यय 1,000 रु. 31 मार्च, 2018 का बकाया है।

(आधिक्य 21,400 रु., अंतिम तुलन पत्र 72,000 रु.)

17. एक क्लब के निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते से, 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि को तुलन पत्र तैयार करें।

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ		*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		3,500	सामान्य व्यय	900
चंदा:			वेतन	16,000
2016-2017	1,800		डाक	1,300
2017-2018	70,000		बिजली व्यय	7,800
2018-2019	3,200	75,000	फ़र्नीचर	26,500
पुरानी पुस्तकों की बिक्री		2,000	पुस्तकें	13,000
(लागत 3,200 रु.)			अखबार	600
हॉल के प्रयोग से किराया		17,000	मीटिंग व्यय	7,200
अखबार की बिक्री		400	टी. वी.	16,000
मनोरंजन से लाभ		7,300	शेष आ/ले	15,900
		1,05,200		**105,200**

अतिरिक्त सूचनाएँ

(अ) क्लब में 100 सदस्य हैं प्रत्येक सदस्य 900 रु. वार्षिक चंदे का भुगतान करता है 31 मार्च, 2017 को 3,600 रु. अप्राप्त चंदा था।

(ब) 31 मार्च, 2018 को बकाया वेतन की राशि 1,000 है। वेतन के भुगतान में 1,000 रु. वर्ष 2016-17 के शामिल हैं।

(स) 01 अप्रैल, 2017 को क्लब के पास भूमि और भवन 25,000 रु., फ़र्नीचर 2,600 रु. और पुस्तकें 6,200 रु. की हैं।

(**उत्तर :** आधिक्य 79,700, अंतिम तुलन पत्र का योग 1,23,600 रु.)

18. 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए वूमेन वेलफ़ेयर क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न है:

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर प्राप्ति एवं भुगतान खाता

नाम *जमा*

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*	*भुगतान*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला	7,250	वेतन	12,500
चंदा	81,750	लेखन सामग्री	1,700
दान	3,000	बिजली व्यय	9,550
सरकार से अनुदान	15,000	बीमा	7,500
अखबार की बिक्री	300	औज़ार	30,000
	16,500	फूटकर व्यय	500
विनियोग पर ब्याज	7,000	धर्मार्थ आयोजन पर खर्च	12,900
(10% दर से पूरे वर्ष के लिए)		अखबार	1,000
विविध आय	400	प्रवक्ता शुल्क	16,500
		सचिव को सम्मानार्थ पारितोषिक	12,000
		शेष आ/ले	27,050
	1,31,200		**1,31,200**

अतिरिक्त सूचनाएँ

	01.04.2017	*31.03.2018*
	(रु.)	(रु.)
बकाया वेतन	1,200	1,800
बीमा का अग्रिम भुगतान	700	300
अप्राप्त चंदा	3,750	2,500
अग्रिम प्राप्त चंदा	1,750	1,000
बकाया बिजली व्यय	–	1,250
लेखन सामग्री का स्टॉक	2,250	700
औज़ार	25,600	50,200
भवन	1,20,000	1,14,000

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और इस तिथि का तुलन पत्र तैयार करें:
(**उत्तर:** आधिक्य 34,100 रु., अंतिम तुलन पत्र का योग 2,64,750 रु.)

19. इंडियन चार्टड एकांऊटेंट्स रिक्रियेशन कलन की पुस्तकों से लिए गए मार्च 31, 2018 के शेष नीचे दिए गए है। इन शेषों से (1) रेस्ट्राँट द्वारा उत्पन्न सकल लाभ की गणना व्यापारिक खाता तैयार करके करें (2)31 मार्च, 2018 की समाप्ति पर आय एवं व्यय खाता तैयार करे (3) तथा उक्त तिथि को तुलन का तैयार करें।

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
हस्तस्थ स्टॉक	1170	प्राप्तियाँ (रेस्ट्राँट)	87,660
क्रय	24,666	अभिदान	9450
रेस्ट्राँट	32,370	बिलियर्ड	7300
किराया	10,470	विविध प्राप्तियाँ	410
मजदूरी	18,690	फिकस्ड जमा राशि	270

बनावट और नवीनीकरण	5400	विविध लेनदार	5370
उर्जा	5,280	अनुदान (स्थायी)	42000
फुटकर व्यय	40,50	आय एवं व्यय खाता (01.04.17)	1380
हस्तस्थ रोकड़	560		
बैंकस्थ रोकड़	2760		
फिक्स्ड जमा राशि	8500		
विविध देनदार	2250		
रेस्ट्राँट सामग्री	600		
बिलियर्ड टेबल	2070		
फिक्स्थर एवं फिटिंग्स	870		
फर्नीचर	4140		
क्लब	30,000		
	1,53,840		**1,53,840**

अतिरिक्त सूचनाएँ

मार्च 31, 2018 को स्टॉक 960 रु. रहा। 60 रु. फिक्स्चर व फिटिंग्स, 390 रु. बिलियर्ड टेबल और 500 रु. फर्नीचर पर ह्रास लगाएँ।
(**उत्तरः** व्यय पर आय का आधिक्य रु. 2950; तुलन पर योग 51,700 रु.)।

स्वयं जाँचिए हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिए 1

उत्तरः सत्य (iii), (vi), (vii), (x); असत्य (i), (ii), (iv), (v), (viii), (ix)

स्वयं जाँचिए 2

1. यहाँ एक विशिष्ट प्रतियोगिता निधि है। लेखांकन व्यवहार इस प्रकार होंगे:

तुलन पत्र के दायित्व पक्ष में	राशि (रु.)
टूर्नामेंट निधि	40,000
जोड़ाः टूर्नामेंट से प्राप्ति	16,000
	56,000
घटायाः टूर्नामेंट व्यय	(14,000)
शेष को दायित्व पक्ष के तुलन पत्र में	**42,000**

2. यहाँ विशिष्ट निधि नहीं है। इसलिए टेबल–टेनिस मैंच पर खर्च राशि 4,000 रु. को आय और व्यय खाते के नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। यह किसी विशिष्ट निधि के स्वतंत्र व्यय की स्थिति है।
3. यहाँ विशिष्ट निधि है। लेखांकन व्यवहार इस प्रकार होगा:

तुलन पत्र का दायित्व पक्ष	राशि (रु.)
पुरस्कार निधि	22,000
जोड़ाः ब्याज	3,000
	25,000
घटायाः पुरस्कारों का भुगतान	(5,000)
तुलन पत्र के दायित्व पक्ष का शेष	20,000
पुरस्कार कोष विनियोग तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष पर	**18,000**

4. यहाँ कोई विशिष्ट निधि नहीं है। धर्मार्थ कार्यक्रम से प्राप्तियों को जमा तथा धर्मार्थ कार्यक्रम पर किया गया खर्चा, प्राप्तियों में से घटाकर और निवल राशि को आय और व्यय खाते के जमा पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा।